RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः44 , शनिवार, 28 मार्च 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

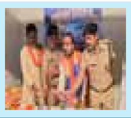

मोतिहारी में पहली बार आयोजित हुआ "चंपारण एक्सपो 2026", लोकल उत्पादों को मिला बढ़ावा 03

श्री चंडी महायज्ञः सीता हरण के भावुक मंचन से नम हुईं श्रद्धालुओं की आंखें 04

मैंने किसी सह- अभिनेत्री से असुरक्षा महसूस नहीं कीः रवीना 07

संक्षिप्त समाचार

खामेनेई के पोस्टर ईरान जिंदाबाद के नारे

- जम्मू-कश्मीर विधान सभा में जमकर हुआ हंगामा

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के विधानसभा सत्र की शुरुआत हो गई है। सत्र काफी हंगामेदार रहा है। नेशनल कॉन्फ्रेंस और महबूबा मुफ्ती की पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के विधायकों ने सदन में इजरायल मुर्दाबाद के नारे लगाए। ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर के समर्थन में बैनर भी लहराए गए। भाजपा विधायकों ने इसका विरोध किया। सदन के अंदर विधायकों द्वारा खामेनेई की तस्वीरें दिखाकर विरोध प्रदर्शन किया गया। बीजेपी के विधायक भारत माता की जय के नारे लगाते रहे, जबकि कुछ विधायकों ने अमेरिका

हाय-हाय के नारे भी लगाए। रिपोर्ट के मुताबिक, नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक तनवीर सादिक ने काले कपड़े पहन रखे थे और ईरान के खिलाफ हो रही कार्रवाई का विरोध कर रहे थे। इस बवाल की वजह से 20 से 25 मिनट के अंदर ही जम्मू-कश्मीर विधानसभा की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। मार्शलों की भी मदद लेनी पड़ी। सत्र के दौरान भाजपा और कांग्रेस के विधायक भी आमने-सामने आ गए थे। पीएम नरेंद्र मोदी जिंदाबाद और राहुल गांधी जिंदाबाद के नारे लगाए जा रहे थे। मामूली झड़प भी देखने को मिली, जिसके चलते हालात संभालने के लिए मार्शलों को बीच-बचाव करना पड़ा। ईरान-इजरायल युद्ध का असर भारत की राजनीति पर दिखने लगा है। विपक्ष का आरोप है कि इजरायल के प्रति झुकाव दिखाकर सरकार ने ईरान के साथ अन्याय किया है। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने तो इसकी आलोचना की थी। दूसरी तरफ इसी युद्ध की वजह से देश में एलपीजी संकट भी शुरू हो चुका है। कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल को लेकर भी लंबी लाइनें लग रही हैं।

एमपी के छिंदवाड़ा में एक साथ उठीं पांच अर्थियां

- बेटी बोली-मां को जबरदस्ती ले गए थे, कहा था लाड़ली बहना के पैसे नहीं आएंगे

छिंदवाड़ा (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में

गुरुवार शाम करीब साढ़े 6 बजे पिकअप वाहन से टक्कर के बाद बस पलट गई। हादसे में दोनों गाड़ियों के ड्राइवर समेत 10 लोगों की मौत हो गई। 30 से ज्यादा घायल छिंदवाड़ा जिला अस्पताल में भर्ती हैं। एक घायल की हालत नाजुक है, जिसे नागपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। एमपी28 पी 0321 नंबर की बस में मोहखेड़ ब्लॉक की ग्वारा पंचायत के कोसमढाना, करेर और भंडारकुंड गांव के 51 लोग सवार थे। जान गंवाने वाले 10 लोगों में से 5 करेर गांव के थे। शुक्रवार सुबह इनकी अर्थियां एक साथ

उठीं तो हर घर से रोने-सिसकने की आवाज आने लगीं। परिजन शवों से लिपट पड़े। रिश्तेदारों ने उन्हें संभाला। रामदास पराने और सिया इवनाती के शव को दफनाकर अंतिम विदाई दी गई। दौलत फरकाडे, भागवंती विश्वकर्मा और शकुन यादव का दाह संस्कार किया गया। सिया की बेटी शीताली बोली- मां को मुख्यमंत्री मोहन यादव के कार्यक्रम में जबरदस्ती ले गए थे। बोल रहे थे कि नहीं जाओगी तो रोजगार गारंटी और लाड़ली बहना योजना के पैसे बैंक खाते में नहीं आएंगे। हादसे के दूसरे दिन मुख्यमंत्री मोहन करेर गांव पहुंचे।

सीएम पहुंचे करेर गांव, हर संभव सहायता का भरोसा दिलाया- हादसे के दूसरे दिन मुख्यमंत्री मोहन करेर गांव पहुंचे। उन्होंने गांव में मृतकों और घायलों के परिजनों से मुलाकात कर उनकी पीड़ा सुनी। शोक संतप्त परिवारों के बीच बैठकर मुख्यमंत्री ने उन्हें ढांढस बंधाया। कठिन घड़ी में हर संभव सहायता का भरोसा दिलाया। करेर गांव के लोगों ने बताया कि मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए ग्रामीणों को पंचायत सचिव रामप्रसाद चाउरिया, सहायिका शकुन यादव और चौकीदार दौलत फरकाडे लेकर गए थे। हादसे में शकुन और दौलत की जान चली गई है।

रामलला का सूर्य तिलक

9 मिनट ललाट पर पड़ीं किरणें

- पंचामृत से अभिषेक, स्वर्ण जड़ित पीतांबर पहनाया, अयोध्या में 10 लाख श्रद्धालु पहुंचे

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में रामनवमी पर शुक्रवार दोपहर 12 बजे अभिजीत मुहूर्त में रामलला का सूर्य तिलक हुआ। 9 मिनट तक भगवान के ललाट पर नीली किरणें पड़ीं। प्राण-प्रतिष्ठा के बाद रामलला का यह दूसरा सूर्य तिलक है। पीएम मोदी ने टीवी पर इसे लाइव देखा। सूर्य तिलक के साथ ही रामलला का जन्म हो गया। इस दौरान 14 पुजारी गर्भगृह में मौजूद रहे। उन्होंने विशेष पूजा और आरती की। सूर्य तिलक के बाद कुछ देर के लिए मंदिर के पट बंद कर दिए गए। रामलला को 56 तरह के व्यंजन का भोग लगाया गया। सूर्य तिलक के लिए अष्टधातु के 20 पाइप से 65 फीट लंबा सिस्टम (स्ट्रक्चर) बनाया गया है। 4 लेंस और 4 मिरर के जरिए गर्भगृह तक रामलला के मस्तक पर किरणें पहुंचाई गईं। गर्भगृह को फूलों से सजाया गया है। सुबह 5.30 बजे रामलला को पीतांबर पहनाया गया।

राजस्थान में बम ब्लास्ट की साजिश

रेकी करने वाला पकड़ाया

- पाकिस्तानी डॉन दे रहा था ऑर्डर, दूसरे राज्यों में भी धमाकों के लिए बनाए वीडियो

श्रीगंगानगर (एजेंसी)। राजस्थान में बम ब्लास्ट की साजिश कर रहे एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी ने पाकिस्तानी डॉन शहजाद भट्टी के ऑर्डर पर दिल्ली, हरियाणा, पंजाब में भी रेकी कर वीडियो बनाए थे। ये जानकारी उसने भट्टी के साथ सोशल मीडिया के जरिए शेयर भी की थी। आरोपी आकाशदीप श्रीगंगानगर के चक केरा गांव का रहने वाला है। उसे 26 मार्च की शाम को गांव से ही पकड़ा गया है। आशंका है कि आरोपी का संबंध 13 मार्च 2026 को अंबाला (हरियाणा) में मिले आरडीएक्स के मामले से हो सकता है। लालगढ़ जाटान थाना

पुलिस ने आकाशदीप को राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपी भट्टी के साथ इंस्टाग्राम और वॉट्सएप के जरिए लंबे समय से संपर्क में था। थाना प्रभारी गुरमेल सिंह बराड़ ने यह जानकारी दी है।

धमाके वाली जगह पहुंचने का प्लान भी बनाया

आकाशदीप ने शहजाद भट्टी के कहने पर हरियाणा, पंजाब, राजस्थान में ऐसे जगहों को चिन्हित किया, जहां सबसे ज्यादा भीड़ होती है। पूछताछ में उसने बताया कि इन जगहों तक पहुंचने का प्लान भी उसने डॉन के साथ शेयर किया था। अब पुलिस उसके लोकल कॉन्टैक्ट, परिवार व अन्य लोगों से भी पूछताछ करने की तैयारी में है। पुलिस को आरोपी के मोबाइल से कई सुराग भी मिले हैं। उसने आतंकी से बात करने के लिए अलग-अलग नाम से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अकाउंट बना रखे थे। आरोप है कि आकाशदीप से भारत-पाकिस्तान के लोगों से वॉयस चैट और +92 कोड वाले खास नंबर्स पर जानकारी शेयर करता था।

डर का माहौल न बनाएं

देश में लॉकडाउन नहीं लगेगा

सरकार ने देश की जनता को दिया भरोसा, टीम भी की तैनात

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने शुक्रवार को कहा कि देश में लॉकडाउन नहीं लगेगा। सभी रिफाइनरी 100 फीसदी और उससे ज्यादा कैपेसिटी से ऑपरेट कर रही हैं। देश में एलपीजी प्रोडक्शन 40 फीसदी बढ़ा है। 14 मार्च से अब तक 30 हजार कॉमर्शियल एलपीजी दी जा चुकी है। रेस्टोरेंट, ढाबों को तवज्जो दी गई है। यह जानकारी पेट्रोलियम मंत्रालय की जॉइंट सेक्रेटरी सुजाता शर्मा ने दी है। आद सुबह सरकार के तीन मंत्रियों ने भी देश में लॉकडाउन लगने की बात को नकारा है। इधर, केंद्र सरकार ने पश्चिम एशिया संघर्ष पर नजर रखने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाली कमेटी का गठन किया है। इसमें गृह मंत्री अमित शाह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी के साथ अन्य मंत्री शामिल हैं। इसके अलावा सरकार जनता को भ्रमित करने वाले तत्वों पर भी नजर रख रही है।

पीएम मोदी की राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ हाई लेवल मीटिंग हुई, पश्चिम एशिया के हालात पर चर्चा

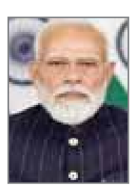

पश्चिम एशिया संकट को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मुख्यमंत्रियों के साथ मीटिंग की। इसमें राज्यों की तैयारियों और योजनाओं की समीक्षा की। मीटिंग में चुनाव वाले 5 राज्यों को शामिल नहीं किया गया है क्योंकि वहां आचार संहिता लागू है। यहां के मुख्य सचिवों के साथ कैबिनेट सचिवालय के जरिए अलग से बैठक की जाएगी।

सरकार के 3 मंत्रियों ने लॉकडाउन की खबरों को नकारा

लॉकडाउन की अफवाहें प्रधानमंत्री मोदी के चार दिन पहले संसद में दिए गए बयान के बाद शुरू हुईं। उन्होंने कहा था कि इस युद्ध के कारण दुनिया में जो कठिन हालात बने हैं, उनका प्रभाव लंबे समय तक बने रहने की आशंका है। हम कोरोना के समय भी एकजुटता से ऐसी चुनौतियों का सामना कर चुके हैं। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा- ये सब कौन अफवाह उड़ा रहा है। पीएम ने साफ तौर पर कहा था कि पैनिक नहीं होना है। जमाखोरियों को चेतावनी दी है। राज्य सरकारों से कहा है कि कोई भी होर्डिंग न करे। भारत सरकार के कंट्रोल में पूरी स्थिति है। आम लोगों को तकलीफ न हो इसके लिए टॉप लेवल से लेकर नीचे लेवल तक यहां तक कि पीएम खुद मॉनीटर कर रहे हैं। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि लॉकडाउन को लेकर फैल रही अफवाहें पूरी तरह गलत हैं। मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि सरकार के स्तर पर ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। ऐसे समय में जरूरी है कि हम सभी शांत, जिम्मेदार और एकजुट रहें। इस तरह की स्थिति में अफवाह फैलाना और बेवजह डर का माहौल बनाना गैर-जिम्मेदाराना है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि मुझे हैरानी है कि कुछ नेता कह रहे हैं कि लॉकडाउन होगा और फ्यूल की कमी होगी। ये बेबुनियाद बातें हैं। राजनीतिक डोमेन में बैठे लोगों की तरफ से ऐसी बातें चिंता की बात हैं। कोविड के दौरान जैसा लॉकडाउन हमने देखा, वैसा कोई लॉकडाउन नहीं होगा।

पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी घटाई, नहीं बढ़ेंगे दाम

सरकार ने की 10-10 रुपए की कटौती, राहत रहेगी बरकरार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में 10-10 रुपए की कटौती कर दी है। पेट्रोल पर ड्यूटी 13 रुपए प्रति लीटर से घटाकर 3 रुपए, जबकि डीजल पर 10 से शून्य कर दी गई है। एक्साइज ड्यूटी घटाकर पेट्रोल-डीजल के दामों को स्थिर रखा गया है। यूएस-इजराइल के साथ ईरान की जंग के चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम 70 डॉलर से बढ़कर 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गए हैं। इससे तेल कंपनियों को 30 रुपए प्रति लीटर तक घाटा हो रहा था। घाटा कवर करने के लिए तेल कंपनियां दाम बढ़ा सकती थीं। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, सरकार ने पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी में 10 की कमी की है, जिससे अब यह घटकर 3 प्रति लीटर रह गई है। वहीं, डीजल पर भी 10 की कटौती की गई है।

ईरान ने मिसाइलों पर थैंक्यू इंडिया लिखा इजराइल पर दागीं

- इन पर पाकिस्तान का भी नाम, जंग में समर्थन पर आभार जताया

तेल अवीव/तेहरान (एजेंसी)। ईरान ने इजराइल पर 83वीं बार मिसाइल हमला किया। इस बार मिसाइलों पर थैंक्यू इंडिया लिखकर भेजा गया। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में दिखा कि ईरानी

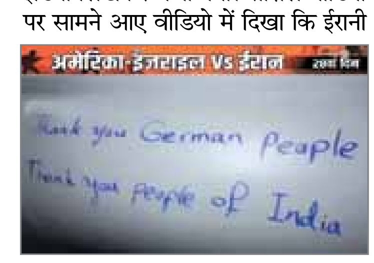

सैनिक मिसाइलों पर थैंक्यू पीपल ऑफ इंडिया लिख रहे हैं। इसी तरह स्पेन, पाकिस्तान और जर्मनी के लिए भी संदेश लिखे गए। ईरान ने कहा कि यह कदम उन देशों के प्रति आभार जताने के लिए है जिन्होंने उसका समर्थन किया। ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड के मुताबिक, यह 83वीं स्ट्राइक थी, जिसमें लंबी और मध्यम दूरी की मिसाइलें और ड्रोन इस्तेमाल किए गए। हमलों में इजराइल के ठिकानों के साथ खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को भी निशाना बनाया गया।

कौशांबी में पिकअप ट्रेलर में घुसी, 8 लोगों की मौत

मरने वालों में 5 महिलाएं और 3 बच्चे; प्रयागराज से मुंडन कराकर लौट रहे थे

कौशांबी (एजेंसी)। कौशांबी में श्रद्धालुओं से भरी एक पिकअप ट्रेलर से टकरा गई। इस हादसे में 8 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में 5 महिलाएं और 3 बच्चे शामिल हैं। 29 लोग घायल हैं। इनमें से दो लोगों की हालत गंभीर होने पर प्रयागराज रेफर कर दिया गया है। 27 घायलों का इलाज जिला अस्पताल और एम्स में चल रहा है। सभी लोग प्रयागराज से मुंडन कराकर अपने घर फतेहपुर जा रहे थे। हादसा इतना भीषण था कि पिकअप से उछलकर लोग सड़क पर गिर गए। सड़क पर पड़े घायल तड़पते रहे।

आसपास के लोगों ने बचाव कार्य शुरू किया, साथ ही पुलिस को सूचना दी। हादसा शुक्रवार शाम करीब 4 बजे नेशनल हाईवे पर डोरमा के पास हुआ। पिकअप में 25 लोगों के सवार होने की बात सामने आई है। फतेहपुर से ये लोग मां शीतला मंदिर के बाद प्रयागराज संगम मुंडन कराने आए थे। मुंडन कराकर लौटने के दौरान हादसा हो गया। सैनी क्षेत्र केडोरमा हादवे के पास खड़े ट्राला से पिकअप जा भिड़ी। इस हादसे में अब तक चार महिला और तीन बच्चों के मौत की पुष्टि हुई है। वहीं, दो दर्जन से अधिक लोगों के घायल होने की खबर है। घायलों का इलाज सीएससी सिराथू और जिला अस्पताल में कराया जा रहा है। कौशांबी में हादसे के बाद प्रशासन की टीम तत्काल ऐक्टिव हुई।

ईरान-अमेरिका युद्ध में भारत को मिली बड़ी कूटनीतिक जीत

तेल-एलपीजी छोड़िए, अब रूस से एलएनजी लाने की भी तैयारी!

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया संकट के बीच भारत को एक बड़ी कूटनीतिक जीत मिलने की संभावना पैदा हुई है। जो अमेरिका दो महीने पहले तक रूस से तेल खरीदने पर टैरिफ का हथकंडा अपना रहा था, भारत अब उसी से अपने पुराने दोस्त रूस से लिक्विफाइड नैचुरल गैस (एलएनजी) मंगवाने की भी बात कर रहा है। इसके लिए भारत ने अमेरिका से रूस से एलएनजी खरीद जारी रखने के लिए भी छूट की मांग की है। रॉयटर्स ने इस मामले की जानकारी रखने वाले दो लोगों के हवाले से यह रिपोर्ट दी है। बता दें कि अमेरिका ने अभी तेल और एलपीजी पर प्रतिबंधों से छूट दी हुई है। पश्चिम एशिया संकट के बीच भारत और रूस के बीच ऊर्जा सहयोग बढ़ रहा है और दोनों ही देश यूक्रेन यूद्ध शुरू होने के बाद पहली बार एलएनजी की सप्लाई फिर से शुरू करने की तैयारियों में जुटे हैं।

रूस से एलएनजी खरीदने पर मौखिक सहमति- रिपोर्ट के अनुसार भारत और रूस के बीच एलएनजी खरीद पर डील को लेकर 19 मार्च को ही मौखिक समहति बन गई थी। यह तब हुआ जब रूसी डिप्टी एनर्जी मिनिस्टर पवेल सोरोकिन और भारत के पेट्रोलियम और गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी की दिल्ली में बैठक हुई थी।

- **रूस से आने वाले एलएनजी के लिए शुरू हो गई तैयारी-** ताजा रिपोर्ट में जानकारी दी गई है कि भारत ने अपने ऊर्जा आयातकों से भी कह दिया है कि रूस से एलएनजी फिर से खरीदने की तैयारी शुरू कर दें। सबसे बड़ी बात ये है कि भारत और रूस के बीच एलएनजी सप्लाई को लेकर हो रही चर्चा में अमेरिका कोई खलल न डाले, उसके लिए इस रिपोर्ट के अनुसार ट्रंप प्रशासन से पहले ही संपर्क किया जा चुका है। हालांकि, इसके अनुसार भारत के विदेश मंत्रालय और पेट्रोलियम मंत्रालय ने संभावित एलएनजी डील को लेकर पूछे गए सवालों का जवाब नहीं दिया। रूसी एनर्जी मंत्रालय ने भी भारत के साथ चल रही चर्चा पर कोई भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

29 तारीख शाम छह बजे बढ़ जाएंगी पेट्रोल की कीमत

मोदी सरकार को आम लोगों की परवाह नहीं

चेन्नई (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी कम कर तेल कंपनियों को राहत दी। हालांकि विपक्षी दलों की तरफ से सरकार की मंशा पर अभी भी सवाल उठाए जा रहे हैं। डीएमके के प्रवक्ता सरवनन अन्नादुरई नेकहा कि यह केंद्र सरकार का एक हथकंडा है। एक्साइज ड्यूटी में इस कटौती से आम आदमी को कोई फायदा नहीं होगा, बल्कि कीमतें बढ़ेंगी। बीजेपी की सरकार चाहती है कि पांच राज्यों में चुनाव खत्म हो जाएं। इसलिए उन्होंने पेट्रोल की कीमत नहीं बढ़ाई है।

कांग्रेस का रुख भी डीएमके जैसा ही रहा है

कांग्रेस का रुख भी डीएमके जैसा ही रहा। कांग्रेस की तरफ से कहा गया कि यह घोषणा चार राज्यों एवं एक केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा चुनाव के कारण की गई है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने तंज कसते हुए कहा कि लोगों को 30 अप्रैल तक का इंतजार करना चाहिए। जयराम ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि जब वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें गिरीं, तब भारत में आम लोगों के लिए पेट्रोल-डीजल की कीमतें कम नहीं हुईं।

संक्षिप्त समाचार

गंगा में डूबीं दो चचेरी बहनें, एक का शव मिला, दूसरी की तलाश जारी, रामनवमी पर हुआ हादसा

हाजीपुर। हाजीपुर के राघोपुर थाना क्षेत्र में रामनवमी के अवसर पर गंगा नदी में स्नान के दौरान दर्दनाक हादसा हो गया। स्नान के दौरान दो चचेरी बहनें गहरे पानी में डूब गईं, जिसमें एक बच्ची की मौत हो गई, जबकि दूसरी अब भी लापता है। घटना राघोपुर पश्चिमी पंचायत के जुड़ावनपुर थाना क्षेत्र की है। जानकारी के अनुसार, दोनों बच्चियां अपने परिवार के साथ रामनवमी के मौके पर गंगा नदी में स्नान करने गई थीं। इसी दौरान वे अनजाने में गहरे पानी में चली गईं और डूबने लगीं। मृतका की पहचान राघोपुर पश्चिमी निवासी सुरेंद्र सिंह की 13 वर्षीय पुत्री सत्तो कुमारी के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों की मदद से उसका शव नदी से बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। दूसरी बच्ची रणजीत सिंह की 14 वर्षीय पुत्री रीना कुमारी है, जो घटना के बाद से लापता है। स्थानीय लोग और प्रशासन उसकी तलाश में जुटे हुए हैं, लेकिन अब तक उसका कोई पता नहीं चल सका है। मौके पर मौजूद लोगों ने बच्चियों को बचाने की काफी कोशिश की, लेकिन गहरे पानी और तेज धारा के कारण वे सफल नहीं हो सके। देखते ही देखते दोनों बच्चियां पानी में समा गईं। घटना की सूचना मिलते ही पंचायत के मुखिया चंदन सिंह और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थिति का जायजा लिया और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। इस हादसे के बाद दोनों बच्चियों के परिवारों में कोहराम मच गया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे गांव में शोक का माहौल है। रामनवमी जैसे पावन पर्व पर हुए इस हादसे ने पूरे इलाके को गमगीन कर दिया है। स्थानीय प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि नदी में स्नान करते समय सावधानी बरतें और गहरे पानी में जाने से बचें। फिलहाल लापता बच्ची की तलाश जारी है और पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

15 साल होते ही सीनियर टीम में डेब्यू का इंतजार खत्म, आईपीएल से लेकर टी-20 में मचाएंगे तहलका

पटना। आज भारतीय क्रिकेटर और बिहार के लाल वैभव सूर्यवंशी का जन्मदिन है। 27 मार्च 2011 को जन्मे वैभव सूर्यवंशी अब 15 साल के हो गए हैं। इसके साथ ही टीम इंडिया में एंट्री के लिए अब खुल उनका रास्ता खुल गया है। अब वैभव अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने के लिए पूरी तरह एलिजिबल हो चुके हैं। आईपीएल में उनकी टीम राजस्थान रॉयल्स ने एक वीडियो शेयर की है, जिसमें टीम के खिलाड़ी उन्हें जन्मदिन मनाने के लिए बुला रहे हैं। इस बार वैभव IPL में खेलते हुए दिखेंगे। बीते दिनों जब IPL को लेकर एक रिपोर्टर ने वैभव से पूछा था कि आईपीएल 2026 में आपका लक्ष्य क्या है, कितना रन बनाना चाहते हैं और क्या ऑरेंज कैप जीतना चाहते हैं? इसके जवाब में वैभव ने कहा, 'ऐसे सवाल पूछेंगे तो मैं दो-तीन हजार रन बोल दूंगा।' वैभव का यह जवाब सुनकर वहां मौजूद लोग हंसने लगे। वैभव पिछले साल ही राजस्थान टीम के साथ जुड़े थे और उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया था। वे पिछले सीजन में दूसरे सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ी बने थे। इसके साथ ही वे सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाले खिलाड़ी भी बने थे। अब एक बार फिर से राजस्थान को वैभव से काफी उम्मीदें हैं। बीसीसीआई ने नमन अवॉर्ड्स में वैभव ने अपने गोल के बारे में भी बताते हुए कहा कि यही कोशिश है कि अपनी टीम के लिए ट्रॉफी जीतूं। अगर मैं टीम के लिए ट्रॉफी जीतूंगा तो मेरी फ्रेंचाइजी को फायदा होगा और मेरा भी परफॉर्मेंस निखरेगा।

तेजस्वी यादव की बेटी कात्यायनी 3 साल की हुई, राबड़ी आवास के बाहर समर्थकों ने लगाए पोस्टर

पटना। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की बेटी कात्यायनी आज तीन साल की हो गई हैं। इस खास मौके पर पटना स्थित राबड़ी आवास के बाहर एक बड़ा और आकर्षक पोस्टर लगाया गया है। पोस्टर में तेजस्वी यादव, उनकी पत्नी राजश्री यादव और उनके दोनों बच्चे कात्यायनी और इराज नजर आ रहे हैं। साथ ही कात्यायनी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी गई हैं। यह पोस्टर राहगीरों और समर्थकों का ध्यान अपनी ओर खींच रहा है। बता दें कि पिछले साल कात्यायनी का जन्मदिन लालू परिवार ने काफी भव्य तरीके से मनाया था। उस दौरान पूरा परिवार कोलकाता गया था, जहां शानदार अंदाज में बर्थडे सेलिब्रेशन हुआ था। परिवार के सदस्यों ने इस खास दिन को यादगार बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। तेजस्वी यादव अक्सर अपनी बेटी के साथ बिताए पलों को सोशल मीडिया पर साझा करते रहते हैं। वे कात्यायनी के साथ तस्वीरें और वीडियो पोस्ट करते हैं, जिन्हें लोग खूब पसंद करते हैं। इसके अलावा वे बेटी के साथ रील्स बनाकर भी शेयर करते हैं, जिनमें उनका पारिवारिक जुड़ाव साफ नजर आता है। तेजस्वी यादव 28 मार्च 2023 को पहली बार पिता बने थे। उस समय लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी अपनी पोती को देखने अस्पताल पहुंचे थे। लालू यादव ने पोती को गोद में लेने की तस्वीरें भी साझा की थीं। कात्यायनी का जन्म चैती नवरात्र के छठे दिन हुआ था, जिसे मां कात्यायनी की पूजा का दिन माना जाता है। इसी कारण उनका नाम कात्यायनी रखा गया।

अष्टयाम यज्ञ और कलश यात्रा संपन्न, वैदिक मंत्रोच्चार के बीच श्रद्धालुओं ने आहुतियां दीं

हाजीपुर। वैशाली जिले के देसरी प्रखंड स्थित खड़कपुर गांव के पासवान टोला में बाबा वीर चौहरमल की प्रतिमा स्थापना को लेकर धार्मिक आयोजनों का सिलसिला जारी है। इस अवसर पर शनिवार को अखंड अष्टयाम यज्ञ का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने श्रद्धा एवं उत्साह के साथ भाग लेकर पूरे वातावरण को आस्थामय बना दिया। कार्यक्रम की शुरुआत भव्य कलश शोभायात्रा से हुई। यह यात्रा गांव के विभिन्न मार्गों से होकर गुजरी, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं, पुरुष और बच्चे शामिल हुए। श्रद्धालु हाथों में सजे-धजे कलश लिए हुए थे और 'बोल बाबा वीर चौहरमल की जय' के जयकारे लगाते हुए यज्ञ स्थल तक पहुंचे। शोभायात्रा में ढोल-नगाड़ों और भजनों की ध्वनि से पूरा गांव गूंज उठा। अष्टयाम यज्ञ के मुख्य यजमान के रूप में लाला पासवान सहित गांव के कई गणमान्य लोग शामिल हुए। यज्ञ मंडप को भव्य रूप से सजाया गया था, जहां वैदिक मंत्रोच्चार के बीच श्रद्धालुओं ने आहुतियां दीं। यज्ञ के दौरान श्रद्धालुओं ने मंडप की परिक्रमा कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और क्षेत्र में सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना की। आयोजकों ने बताया कि अखंड अष्टयाम यज्ञ की समाप्ति के बाद विधिवत रूप से बाबा वीर चौहरमल की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। यज्ञ में शामिल एक श्रद्धालु ने बताया कि बाबा वीर चौहरमल क्षेत्र के लोगों की आस्था के केंद्र हैं, इस प्रतिमा स्थापना से आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा मिलेगी। आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने सभी श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया और बताया कि इस धार्मिक आयोजन में सभी वर्गों के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर आसपास के गांवों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु यज्ञ में शामिल होने के लिए पहुंचे। पूरे इलाके में आयोजन को लेकर उत्साह और आस्था का माहौल देखने को मिल रहा है। आयोजकों ने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा समारोह में बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की संभावना है, जिसे लेकर सुरक्षा एवं व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

डाक बंगला चौराहा पहुंचेगी 52 झांकियां, 1500 जवान तैनात

एजेंसी, पटना

पटना में 52 शोभायात्रा डाक बंगला चौराहा होकर गुजरेगी। डाकबंगला को इस बार भव्य तरीके से सजाया गया है। शोभायात्रा के स्वागत के लिए मंच सजकर तैयार हैं। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, बेटे निशांत और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पहुंचे हैं। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन सहित तमाम अतिथि डाकबंगला चौराहा पहुंचेंगे। पूरा इलाका एलईडी लाइट्स, लेजर इफेक्ट और डिजिटल मैपिंग से रोशन है। आसपास की इमारतों पर डिजिटल मैपिंग के जरिए भगवान श्रीराम के जीवन प्रसंगों का सजीव प्रदर्शन किया जा रहा है, जो श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक अनुभव दे रहा है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद नितिन नवीन पहली बार बतौर शोभायात्रा संयोजक इस आयोजन का नेतृत्व कर रहे हैं। वे दो दिन पहले ही पटना पहुंचकर तैयारियों की निगरानी कर रहे हैं। आयोजकों के अनुसार, डाक बंगला चौराहा और महावीर मंदिर के आसपास 5 से 7 लाख श्रद्धालुओं के जुटने की संभावना है। बड़ी संख्या में स्थानीय लोग, जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठन और श्रद्धालु इस आयोजन में भाग ले रहे हैं।

ड्रोन से पुष्प वर्षा, सांस्कृतिक झलकियों से सजेगी शोभायात्राः इस बार शोभायात्रा में तकनीक और परंपरा का अनोखा संगम दिखेगा। ड्रोन के माध्यम से मुख्य मंच और शोभायात्रा पर गुलाब और गेंदे के फूलों की वर्षा की जाएगी। पटना के खाजपुरा, बोरिंग रोड, कंकड़बाग और चौक से 52 शोभायात्राएं निकलकर डाक बंगला चौराहा पहुंचेंगी। झांकियों में अयोध्या के साधु-संत, दक्षिण भारत के वाद्य यंत्र वादक, बनारस का डमरू दल, गंगा आरती टीम, मुंबई के प्रसिद्ध बैंड और झारखंड के नृत्य दल शामिल होंगे और अपनी प्रस्तुति देंगे। यह विविधता ही इस आयोजन को राष्ट्रीय स्वरूप प्रदान कर रही है।

❐ **मुख्यमंत्री नीतीश, बेटे निशांत और सम्राट चौधरी पहुंचे, 5-7 लाख श्रद्धालु होंगे शामिल**

20-25 फीट ऊंची प्रतिमाएं बनीं आकर्षण : चौराहे के मुख्य स्थल पर भगवान श्रीराम, भगवान शिव और वीर हनुमान की 20-25 फीट ऊंची विशाल प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। फाइबर और मिट्टी से बनी ये मूर्तियां बेहद सजीव और आकर्षक हैं। पहली बार इतने भव्य स्तर पर प्रतिमाओं का प्रदर्शन किया जा रहा है, जो लोगों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

शोभायात्राओं का होगा सम्मानः हर वर्ष की तरह इस बार भी नितिन नवीन और अन्य अतिथि विभिन्न अखाड़ों और झांकियों के संचालकों को 'पाग' (पगड़ी) और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करेंगे। प्रसिद्ध अभिनेता एवं सांसद अरुण गोविल (रामायण में भगवान राम की भूमिका) और भोजपुरी के लोकप्रिय कलाकार एवं सांसद मनोज तिवारी की उपस्थिति आयोजन को विशेष बनाएगी।

बिक्रम में कट्टा-कारतूस के साथ बदमाश गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

पटना जिले के पालीगंज अनुमंडल के बिक्रम थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक अपराधी को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी गुप्त सूचना के आधार पर की गई। पुलिस ने अपराधी के पास से एक देसी कट्टा, दो जिंदा कारतूस और दो गोली के खोखे बरामद किए हैं। गिरफ्तार अपराधी की पहचान संत रजक के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, वह किसी बड़ी आपराधिक घटना को अंजाम देने की फिराक में था।

गोरखरी गांव में छापेमारी, हथियार बरामदः पटना पश्चिम के सिटी एसपी भानु प्रताप सिंह ने इस पूरे मामले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि, बीते देर रात्रि विक्रम थाने की पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि बिक्रम थाना क्षेत्र के गोरखरी गांव में 1 अपराधी के घर पर अवैध हथियार और किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के फिराक में लगा हुआ है। उन्होंने बताया कि, विक्रम थानाअध्यक्ष के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया और पुलिस ने छापेमारी की। मौके से संत रजक नामक अपराधी को गिरफ्तार किया गया, जिसके पास से एक देसी कट्टा, दो जिंदा कारतूस दो गोली का खोखा बरामद किया गया है।

♦ पटना में बड़ी वारदात की थी साजिश, पालीगंज हत्याकांड का मुख्य आरोपी भी दबोचा गया

आरोपी से पूछताछ जारीः फिलहाल गिरफ्तार अपराधी से पूछताछ की जा रही है और उसका आपराधिक इतिहास निकाला जा रहा है साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि आखिरकार हथियार उसके पास कैसे आया और कौन सी बड़ी घटना को अंजाम देने में लगा हुआ था। इसी बीच पालीगंज थाना क्षेत्र में वर्ष 2025 में हुए हत्या मामले में फरार मुख्य आरोपी को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। धरहरा मोड़ के पास हुई हत्या के मामले में नामजद लालू चौहान को बालापर गांव से पकड़ा गया है। पुलिस अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है।

छपरा में तेज आंधी, पटना में बारिश, कई शहरों में छाए बादल

तेज हवा चल रही, पूरे बिहार में आंधी-बारिश का अलर्ट

एजेंसी, पटना

रामनवमी पर बिहार में मौसम बदला हुआ है। छपरा और नालंदा में आंधी चल रही है। बक्सर और किशनगंज में आसमान में काले बादल छाए हैं। पटना में तेज हवा के साथ बारिश हो रही है। राज्य के 38 जिलों में आंधी, बारिश और आकाशीय बिजली को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। इनमें 12 जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट, जबकि 26 जिलों के लिए येलो अलर्ट घोषित किया गया है। ऑरेंज अलर्ट वाले जिलों में 60 किमी/घंटा तक की रफ्तार से तेज हवा चलने, गरज-चमक के साथ भारी बारिश होने की संभावना है। वहीं, बाकी 26 जिलों में मौसम खराब रहने, हल्की से मध्यम बारिश और बिजली गिरने की चेतावनी दी गई है। मौसम विभाग के अनुसार, 27 और 28 मार्च को प्री-मानसून गतिविधियों का असर सबसे ज्यादा देखने को मिल सकता है।

मौसम ऐसा क्यों बना हुआ हैः मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, बिहार में इस बदलाव के पीछे कई अहम कारण हैं। बंगाल की खाड़ी से आ रही नमी वाली हवाएं राज्य के ऊपर सक्रिय हो गई हैं। साथ ही पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव भी बना हुआ है, जिससे वातावरण में अस्थिरता बढ़ी है। दिन में तापमान बढ़ने और रात में ठंडी हवाओं के कारण वातावरण में ऊष्मा और नमी का टकराव हो रहा है। यही टकराव बादलों के तेजी से विकास, मेघगर्जन और आंधी-तूफान को जन्म दे रहा है। इसके अलावा हवा की दिशा में लगातार बदलाव और दबाव क्षेत्र बनने से तेज हवाओं और ओलावृष्टि की स्थिति बन रही है।

पटना-शीतला मंदिर में गौरैया बाबा को भक्त ने चढ़ाई शराब

पुजारी ने परंपरा स्वीकारी, कहा- बिहार में शराबबंदी, भक्त कहां से लाते पता नहीं

एजेंसी, पटना

पटना के पूर्वी हिस्से में स्थित ऐतिहासिक माता शीतला मंदिर अगम कुआं से एक वीडियो सामने आया है। वीडियो में भक्त गौरैया बाबा को शराब चढ़ा रहे हैं। यह मंदिर अपनी धार्मिक मान्यताओं के साथ-साथ इस अनोखी परंपरा के लिए भी जाना जाता है, जहां गौरैया बाबा को शराब चढ़ाई जाती है। हालांकि बिहार में शराबबंदी है तो यह प्रथा बिहार की सख्त शराबबंदी नीति के बीच सवाल खड़े करती है। मंदिर के पुजारी अमरनाथ ने भी इस परंपरा की पुष्टि की है। उनके अनुसार, यह प्रथा वर्षों से चली आ रही है और आज भी जारी है। उन्होंने इसे धार्मिक आस्था से जुड़ा विषय बताया, जिसका पालन भक्त अपनी मान्यताओं के अनुसार करते हैं।

बलि देते फिर शराब चढ़ाते हैंः मंदिर परिसर में स्थित 'अगम कुआं' का इतिहास लगभग ढाई हजार वर्ष पुराना माना जाता है। इतिहासकारों के अनुसार, इसका निर्माण मौर्य सम्राट अशोक ने कराया था और इसे 'यातना कुआं' के नाम से भी जाना जाता था, जहां प्राचीन काल में दंड दिए जाते थे। वर्तमान में यह स्थान आस्था का केंद्र है, जहां दूर-दराज से श्रद्धालु पूजा-अर्चना के लिए आते हैं। इस मंदिर की एक प्रमुख परंपरा 'गौरैया बाबा' को देसी शराब चढ़ाना

मान्यता-भक्त बकरी की है। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, मनोकामना पूरी होने पर भक्त बकरे की बलि देते हैं और गौरैया बाबा को शराब अर्पित करते हैं। श्रद्धालु अपनी इच्छाएं पूरी होने के बाद इस परंपरा का निर्वहन करते हैं।

बिहार में लागू है शराबबंदी नीतिः यह परंपरा बिहार में लागू पूर्ण शराबबंदी कानून के विपरीत है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने लगभग एक दशक पहले राज्य में शराब की खरीद, बिक्री और सेवन पर प्रतिबंध लगाया था। इस कानून को सख्ती से लागू करने के दावे किए जाते रहे हैं, लेकिन मंदिर में खुले तौर पर शराब चढ़ाने की प्रथा इस नीति पर सवाल उठाती है। इस अनोखी परंपरा के कारण अगम कुआं और माता शीतला मंदिर धार्मिक, सामाजिक और राजनीतिक चर्चा का केंद्र बन गया है।

30 मार्च को एमएलसी पद से इस्तीफा देंगे नीतीश जदयू ऑफिस में निशांत की नेताओं के साथ बैठक

एजेंसी, पटना

JDU के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने कहा कि नीतीश कुमार 30 मार्च को MLC पद से इस्तीफा देंगे। इधर, विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार का भी बयान सामने आया। उन्होंने कहा, संविधान के अनुसार कोई व्यक्ति बिना निर्वाचन के भी 6 महीने तक बिहार का CM रह सकता है। इधर, मुख्यमंत्री के बेटे निशांत कुमार ने JDU ऑफिस में पार्टी नेताओं के साथ बैठक की। जानिए बिहार के पॉलिटिकल अपडेट्स...

संजय झा बोले- 30 मार्च को इस्तीफा देंगे नीतीशः JDU ऑफिस पहुंचे पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने कहा, नीतीस 30 मार्च को MLC पद से इस्तीफा देंगे। ये एक सामान्य प्रक्रिया है और 14 दिनों के भीतर इस्तीफा देना होता है। दरअसल, नीतीश कुमार 16 मार्च को राज्यसभा के लिए निर्वाचित हो चुके हैं, जिसके बाद उन्हें विधान परिषद की सदस्यता छोड़ना अनिवार्य हो गया है। नीतीश कुमार को केवल विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा देना जरूरी है, मुख्यमंत्री पद से नहीं। वे चाहें तो अगले छह महीने तक मुख्यमंत्री पद पर बने रह सकते हैं। बताया जा रहा है कि 29 मार्च तक बिहार विधानसभा और विधान परिषद की छुट्टी है, ऐसे में 30 मार्च को उनके इस्तीफे की प्रक्रिया पूरी की जा सकती है। वहीं, नीतीश कुमार जारी रखेंगे।

❐ **स्पीकर बोले- 6 महीने तक सीएम रह सकते हैं**

स्पीकर बोले- 6 महीने CM रह सकते हैं नीतीशः विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार ने कहा, संविधान के तहत कोई भी माननीय सदस्य निर्वाचन के 14 दिनों के भीतर इस्तीफा देना होता है। नीतीश कुमार निर्वाचित हो गए हैं और नितिन नवीन को भी 30 मार्च तक इस्तीफा देना पड़ेगा। संविधान के अनुसार कोई व्यक्ति बिना निर्वाचन के भी 6 महीने तक बिहार का CM रह सकता है।

JDU ऑफिस में निशांत ने की मीटिंगः निशांत कुमार आज पार्टी ऑफिस पहुंचे। उन्होंने नेताओं के साथ बैठक की। निशांत ने कहा, आज जेडीयू ऑफिस आया हूं। जिला अध्यक्षों के साथ आज मैं बैठक की। पिताजी की नीतियों को कैसे जन जन तक पहुंचाया जाए। संगठन को कैसे और मजबूत किया जाए। इसपर चर्चा हुई है।

रामनवमी पर पटना के जल्ला हनुमान मंदिर में उमड़े श्रद्धालु

एजेंसी, पटना

पटना सिटी के जल्ला हनुमान मंदिर में रामनवमी के अवसर पर दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी है। मंदिर के कपाट शुक्रवार सुबह 4 बजे खोल दिए गए, ताकि सुबह से आने वाले भक्तों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। श्रद्धालुओं के लिए 2500 किलोग्राम नैवेद्यम का स्टॉक किया गया है। प्रबंधन ने आश्वस्त किया है कि जरूरत पड़ने पर नैवेद्यम की कोई कमी नहीं होगी। मंदिर प्रबंधन समिति के रंगास्वामी बालाजी ने बताया कि, 'इस वर्ष रामनवमी पर पिछले वर्षों की तुलना में अधिक भीड़ उमड़ने की संभावना है, जिसे देखते हुए सुरक्षा और सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया गया है। पूरे मंदिर परिसर की निगरानी 48 सीसीटीवी कैमरों से की जा रही है। स्थानीय प्रशासन और पुलिस बल भी तैनात रहेगा, ताकि किसी भी अव्यवस्था को तुरंत नियंत्रित किया जा सके। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मंदिर परिसर में पीने के पानी की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। जगह-जगह पानी की बोतलें उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके अलावा बुजुर्ग और दिव्यांग श्रद्धालुओं के लिए विशेष वाहनों की व्यवस्था की गई है, जिससे वे आसानी से मंदिर तक पहुंच कर दर्शन कर सकें।

'तेजस्वी शाम 6 बजे बाद शराब के नशे में रहते'

एजेंसी, पटना

राष्ट्रीय जनता दल (RJD) ने हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (HAM) के प्रवक्ता दानिश रिजवान पर खुलेआम फायरिंग करने का आरोप लगाया है। पार्टी ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से एक वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा कि "बिहार में कानून-व्यवस्था खत्म हो चुकी है, NDA का राज मतलब गुंडों का राज है। इस पर दानिश रिजवान ने प्रतिक्रिया देते हुए वीडियो को AI जेनरेटेड करार दिया है। उन्होंने तेजस्वी को वीडियो पोस्ट करने से पहले उसकी सत्यता जांचने की बात भी कही है। RJD के आरोपों पर दानिश रिजवान ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि, उस वीडियो में दिखाया जा रहा है कि किस तरीके से हमारे द्वारा फायरिंग की घटना कौन अंजाम दिया गया है। यह तेजस्वी यादव द्वारा नहीं किया गया है, क्योंकि 6:00 के बाद तेजस्वी शराब के नशे में होते हैं। दानिश रिजवान ने बताया कि, 'इस मामले में पहले ही आरा नगर थाना में एफआईआर दर्ज कराई जा चुकी है। उनके भाई मोहम्मद जमाल अशरफ ने 17 मार्च 2026 को शिकायत दर्ज कराई थी।' एफआईआर के अनुसार, कुछ लोगों द्वारा AI के जरिए फर्जी वीडियो बनाकर वायरल किया गया और रंगदारी की मांग की गई। शिकायत में कहा गया है कि मोहम्मद फैज आजम उर्फ सिकंदर ने फोन कर ईद के खर्च के नाम पर 20 लाख रुपये की रंगदारी मांगी। आरोप है कि पहले भी जमीन घेराबंदी के लिए 10 लाख रुपये दिए जा चुके थे।

बिहटा की सड़क में 'नाला' का पानी गंदगी से वार्ड 23 के लोग परेशान

एजेंसी, पटना

पटना जिले के बिहटा नगर परिषद के वार्ड नंबर 23 स्थित राघोपुर तीन मोहनी के पास बिहटा-कनपा मुख्य मार्ग पर पिछले कई महीनों से नाली का गंदा पानी बह रहा है। इससे राहगीरों और स्थानीय निवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सड़क किनारे बाजार होने के कारण लोगों का आना-जाना भी प्रभावित हो रहा है। गंदे पानी के कारण सड़क पर फिसलन और गड्ढे बन गए हैं, जिससे कई बार छोटे वाहन चालक और पैदल यात्री गिरकर चोटिल हो चुके हैं।

शिकायत के बाद भी नहीं हुई कार्रवाईः स्थानीय लोगों का कहना है कि उन्होंने कई बार नगर परिषद और वार्ड पार्षद से इस समस्या की शिकायत की, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकाला गया। इससे लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। स्थानीय निवासी पंकज कुमार ने बताया कि दो महीने से अधिक समय से यह स्थिति बनी हुई है। गंदे पानी के कारण बीमारियों के फैलने का खतरा बना हुआ है और रोजमर्रा के कामकाज में भी परेशानी हो रही है।

97 करोड़ का बजट, फिर भी बदहाल व्यवस्थाः गौरतलब है कि हाल ही में बिहटा नगर परिषद के विकास के लिए करीब 97 करोड़ रुपए का बजट पास किया गया है। इसके बावजूद कई वार्डों में बुनियादी सुविधाओं का अभाव बना हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हर साल विकास के नाम पर बजट तो पेश होता है, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही है। बरसात के मौसम में यह समस्या और विकराल रूप ले लेती है, जिससे लोगों की मुश्किलें और बढ़ जाती हैं। स्थानीय निवासियों ने प्रशासन से जल्द समाधान की मांग की है।

> वार्ड 23 की समस्या की जानकारी मिली है। नगर परिषद की सफाई मशीन पिछले कई दिनों से खराब है, जिसके कारण जल निकासी नहीं हो पा रही है। मशीन ठीक होते ही जल्द सफाई कराई जाएगी।
>
> - साक्षी मिश्रा, सिटी मजिस्ट्रेट, बिहटा नगर परिषद

संक्षिप्त समाचार

विभिन्न कांडों में चार अभियुक्त गिरफ्तार, पुलिस की कार्रवाई तेज

बीएनएम @ मोतिहारी। जिले में अपराध नियंत्रण को लेकर पुलिस द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में डुमरियाघाट एवं घोड़ासहन थाना पुलिस ने अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए कुल चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की इस कार्रवाई से अपराधियों में हड़कंप मचा हुआ है। डुमरियाघाट थाना कांड संख्या-81/26 (हत्या का प्रयास) एवं कांड संख्या-299/25 (मद्य निषेध) में पुलिस ने दो अभियुक्तों—अवधेश पटेल, पिता-देवनन्द राउत, निवासी-रामपुर खजुरिया तथा राजकुमार महतो, पिता-रामाज्ञा महतो, निवासी-पकड़ी—दोनों थाना डुमरियाघाट, जिला पूर्वी चंपारण—को गिरफ्तार किया है। वहीं, घोड़ासहन थाना कांड संख्या-68/25 (दहेज अधिनियम) एवं कांड संख्या-28/26 (हत्या का प्रयास) में दो प्राथमिकी अभियुक्तों—सुभाष कुमार, पिता-स्वर्गीय रेग्नी राय, निवासी-ननौरा तथा संतोष साह, पिता-स्वर्गीय मिश्री साह, निवासी-बगही भेलवा, दोनों थाना घोड़ासहन, जिला पूर्वी चंपारण—को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, सभी अभियुक्तों के विरुद्ध आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि अपराध नियंत्रण को लेकर अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

पताही प्रखंड में हर्षोल्लास के साथ मना रामनवमी, भक्ति में डूबा रहा पूरा क्षेत्र

बीएनएम @ पताही। प्रखंड क्षेत्र में रामनवमी का पावन पर्व इस वर्ष धूमधाम, श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। सुबह से ही पूरे इलाके में भक्ति का माहौल रहा और मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। मंदिरों को रंग-बिरंगी रोशनी, फूल-मालाओं और आकर्षक सजावट से सजाया गया, जिससे वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया। श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण एवं हनुमान जी की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। कई लोगों ने व्रत रखकर भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव को श्रद्धाभाव से मनाया। इस दौरान विभिन्न स्थानों पर भजन-कीर्तन, रामायण पाठ एवं धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। पर्व को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती की गई तथा यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए विशेष प्रबंध किए गए। प्रशासन की मुस्तैदी के कारण पूरा आयोजन शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। वहीं, कई सामाजिक संगठनों द्वारा श्रद्धालुओं के लिए शरबत, पानी और प्रसाद वितरण की व्यवस्था की गई, जिससे लोगों को काफी सहूलियत मिली। इस दौरान सभी समुदायों के लोगों ने मिलकर भाईचारे और एकता का संदेश दिया। रामनवमी का यह पर्व धार्मिक आस्था के साथ-साथ सामाजिक सद्भाव और नैतिक मूल्यों को मजबूत करने का प्रतीक बना। पताही प्रखंड में इस वर्ष का आयोजन इन भावनाओं को साकार करता नजर आया।

शॉर्ट सर्किट से तीन घर जलकर राख, लाखों की संपत्ति का नुकसान

बीएनएम @ रामगढ़वा। अस्थानीय थाना क्षेत्र के भलूवाहिया गांव में बीती रात भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। घटना एमके मिशन स्कूल के सामने स्थित प्रणव कुमार के घर की है, जहां बिजली के शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। इस अगलगी में कुल तीन घर जलकर पूरी तरह खाक हो गए हैं। मिली जानकारी के अनुसार, घटना रात करीब 12 से 1 बजे के बीच की बताई जा रही है। जब घर के सभी सदस्य गहरी नींद में थे, तभी अचानक शॉर्ट सर्किट से उठी चिंगारी ने आग का रूप ले लिया। ग्रामीणों ने बताया कि आग इतनी तेजी से फैली कि जब तक लोग कुछ समझ पाते और उस पर काबू पाने की कोशिश करते, तब तक आग ने तीन घरों को अपनी चपेट में ले लिया था। इस हादसे में पीड़ित परिवार को भारी आर्थिक क्षति हुई है। घर में रखे अनाज, कपड़े और अन्य जरूरी सामानों के साथ-साथ फर्नीचर बनवाने के उद्देश्य से रखी गई भारी मात्रा में कीमती लकड़ी और एक ट्रैक्टर लकड़ी जलकर कोयला बन गई। इसके अलावा घर में मौजूद चार चौकियां भी पूरी तरह जल गई हैं। ग्रामीणों के काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक घर का सारा कीमती सामान जल चुका था। पीड़ित परिवार अब प्रशासन से उचित मुआवजे की गुहार लगा रहा है।

रक्सौल में भव्य रामनवमी शोभायात्रा शांतिपूर्ण संपन्न, प्रशासन की चौकसी की सराहना

बीएनएम @ रक्सौल। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में रामनवमी का महापर्व रक्सौल में शांतिपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हो गया। हजारीमल हाई स्कूल से प्रारंभ हुई शोभायात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए पुनः अपने निर्धारित स्थल पर समाप्त हुई। इस दौरान पूरा शहर 'जय श्री राम' के जयघोष से गूंजता रहा। शोभायात्रा के दौरान प्रशासन पूरी तरह सतर्क और मुस्तैद रहा। एसडीएम मनीष कुमार, एएसपी हेमंत कुमार सिंह एवं डीएसपी मनीष कुमार आनंद के नेतृत्व में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही। एंबुलेंस, फायर ब्रिगेड समेत सभी आपातकालीन सेवाएं भी तैनात रहीं। प्रशासन द्वारा लगातार शांति बनाए रखने की अपील की जाती रही, जिसका सकारात्मक असर देखने को मिला। कार्यक्रम के सफल एवं शांतिपूर्ण आयोजन को लेकर विभिन्न सामाजिक एवं व्यावसायिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने प्रशासन की सराहना की। डीआरयूसीसी सदस्य अरुण कुमार गुप्ता ने व्यवस्था को सराहनीय बताया, वहीं लायंस क्लब अध्यक्ष विमल सर्राफ ने प्रशासन की सक्रियता को काबिले-तारीफ बताया। भारत विकास परिषद के अध्यक्ष रजनीश प्रियदर्शी ने सुरक्षा प्रबंधन को उत्कृष्ट बताया। वस्त्र विक्रेता संघ के अध्यक्ष दिनेश धनोठीया ने कहा कि व्यापारियों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हुई। नगर पार्षद सोनू गुप्ता ने बेहतर समन्वय की प्रशंसा की, जबकि बीजेपी सदस्य सुरेश यादव ने प्रशासनिक व्यवस्था को मिसाल करार दिया। इंडो-नेपाल चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष राज कुमार गुप्ता ने इतने बड़े आयोजन को शांतिपूर्वक संपन्न कराना बड़ी उपलब्धि बताया। वहीं बीजेपी युवा नेता कमलेश कुमार ने पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि सजगता और मजबूत व्यवस्था के कारण शोभायात्रा सफल रही।

मोतिहारी में पहली बार आयोजित हुआ "चंपारण एक्सपो 2026", लोकल उत्पादों को मिला बढ़ावा

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। नगर भवन के प्रांगण में पहली बार "चंपारण एक्सपो 2026" का भव्य आयोजन एमएसएमई के दिशा-निर्देशों के तहत शुक्रवार को किया गया। इस एक्सपो में लगभग 80 स्टॉल स्थानीय उत्पादकों एवं उद्यमियों द्वारा लगाए गए, जिनमें जनता की व्यापक भागीदारी देखने को मिली। इस अवसर पर भाजपा युवा नेता एवं उद्योगपति यमुना सिकरिया द्वारा "राधा ग्रुप ऑफ एजुकेशन एंड इंडस्ट्रीज" का स्टॉल नंबर 8 लगाया गया, जहां उनके द्वारा निर्मित विभिन्न स्थानीय उत्पादों का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन पुलिस उपाधीक्षक दिलीप कुमार, पुलिस उपाधीक्षक अभिनव पराशर एवं उपमेयर लालबाबू प्रसाद द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। उद्घाटन के दौरान पुलिस उपाधीक्षक ने कहा कि प्रशासन छोटे-बड़े सभी व्यवसायों के साथ खड़ा है और आवश्यकतानुसार हर संभव सहयोग प्रदान करेगा। उन्होंने उद्यमियों को आश्वस्त किया कि सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह से सुदृढ़ है, अतः वे निर्भय होकर अपने उत्पादों को बढ़ावा दें, जिससे देश में रोजगार के अवसर बढ़ सकें। साथ ही साइबर डीएसपी ने मोबाइल के माध्यम से साइबर अपराधों से बचाव के उपायों का प्रदर्शन करते हुए लोगों को सतर्क रहने की अपील की।उपमेयर लालबाबू प्रसाद ने अपने संबोधन में यमुना सिकरिया की सराहना करते हुए कहा कि "स्वदेशी अपनाओ, नियोजन बढ़ाओ और लोकल को वोकल बनाओ" जैसे संदेशों के माध्यम से वे समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयास Narendra Modi के आत्मनिर्भर भारत के विजन को मजबूत करते हैं और देश के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। उन्होंने अन्य उद्यमियों से भी यमुना सिकरिया के मार्ग पर चलने की अपील की। अपने संबोधन में उद्योगपति यमुना सिकरिया ने कहा कि "स्वच्छ, स्वस्थ और आत्मनिर्भर भारत" हमारे प्रधानमंत्री का सपना है, जिसे साकार करने के लिए हमें अधिक से अधिक स्वदेशी उत्पादों का उपयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि शुद्ध और स्थानीय उत्पादों के उपयोग से न केवल परिवार स्वस्थ रहेगा, बल्कि एक सशक्त समाज और देश का निर्माण भी संभव होगा। उन्होंने शहरवासियों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस एक्सपो में भाग लें तथा आयोजकों से आग्रह किया कि ऐसे कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाएं, ताकि आम जनता में जागरूकता बढ़े और स्थानीय उद्यमों को प्रोत्साहन मिले।

71वीं वाहिनी एसएसबी ने दो मवेशियों सहित पशु तस्कर को किया गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी । 71वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) को विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति नेपाल के सतगंज गांव से दो मवेशियों के साथ पर्सा गांव होते हुए महुआवा की ओर आ रहा है। सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए चेक पोस्ट कटकेनवा के पास घेराबंदी की गई। एक विशेष गश्ती दल को चेक पोस्ट कटकेनवा से महुआवा गांव की दिशा में रवाना किया गया, जिसने घटनास्थल के आसपास छिपकर निगरानी शुरू की। लगभग सुबह 10:40 बजे, दल ने एक संदिग्ध व्यक्ति को नेपाल की ओर से पारसा गांव होते हुए महुआवा की ओर आते देखा। तत्परता दिखाते हुए गश्ती दल ने उसे रोककर दो बैलों सहित पकड़ लिया। प्रारंभिक पूछताछ में उक्त व्यक्ति ने स्वीकार किया कि वह तस्करी के उद्देश्य से नेपाल से भारत में मवेशियों को ला रहा था। घटना की सूचना तुरंत कंपनी प्रभारी, महुआवा को दी गई। मौके पर पहुंचकर कंपनी प्रभारी ने सुबह 11:00 बजे दोनों बैलों को जब्त किया तथा आरोपी व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया। आवश्यक कानूनी कार्रवाई हेतु गिरफ्तार तस्कर एवं जब्त मवेशियों को महुआवा पुलिस थाना को सौंप दिया गया है।

स्कार्पियो से 85.15 किलो गांजा बरामद, दो तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम @ बेतिया

बेतिया। बल्थर थाना क्षेत्र में पुलिस ने वाहन जांच के दौरान बड़ी कार्रवाई करते हुए स्कार्पियो गाड़ी से 85.15 किलोग्राम मादक पदार्थ गांजा बरामद किया है। इस क्रम में दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया। कार्रवाई शुक्रवार की सुबह वरीय पदाधिकारियों के निर्देश पर माजर पुल, बल्थर के समीप की गई। पुलिस के अनुसार, गुप्त सूचना के आधार पर चलाए जा रहे वाहन जांच अभियान के दौरान एक संदिग्ध स्कार्पियो को रोका गया। तलाशी लेने पर वाहन से भारी मात्रा में गांजा बरामद हुआ। मौके पर ही दोनों व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों में कादिर शेख, पिता-सराजुल शेख, निवासी-सड़किया टोला, थाना-बल्थर, जिला-पश्चिम चंपारण तथा जुगेश्वर राउत, पिता-रघुवर राउत, निवासी-पोखरिया, थाना-पोखरिया, जिला-परसा (नेपाल) शामिल हैं। छापेमारी दल में बल्थर थानाध्यक्ष के नेतृत्व में पुलिस पदाधिकारी एवं सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। इस संबंध में बल्थर थाना कांड संख्या-61/26 दर्ज कर पुलिस द्वारा अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

"भारत देश की आत्मा हैं प्रभु श्रीराम, धर्म की स्थापना हेतु लेते हैं अवतार" : देवव्रत जी महाराज

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। नगर के कुंवारी देवी चौक के समीप ब्रह्मलीन योगीराज श्री देवराहा गुरुकुल आश्रम में आयोजित 55वें सद्गुरु महायज्ञ एवं संगीतमय श्रीराम कथा के नवम (विराम) दिवस पर वृंदावन धाम से पधारे संत देवव्रत जी महाराज ने अपने प्रवचन में कहा कि "प्रभु श्रीराम भारत देश की आत्मा हैं तथा संपूर्ण विश्व के राजा हैं। वे सदैव अधर्म पर धर्म की विजय के लिए अवतार धारण करते हैं।"कार्यक्रम का शुभारंभ व्यास पूजन, माल्यार्पण एवं विधिवत दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। श्री राम कथा के आजीवन सहयोगी कृष्णा कुमार ज्वेलर्स, प्रमोद जैन एवं छटू प्रसाद ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित किया। व्यास पूजन बच्ची देवी द्वारा संपन्न हुआ, जबकि यज्ञ पूजन जयप्रकाश शाह एवं शशिकांत चौबे ने किया। आश्रम सचिव डॉ. जय गोविंद प्रसाद ने जानकारी दी कि दोपहर 12 बजे पुजारी आचार्य अनिकेत पांडे एवं सुधीर पांडे द्वारा राम दरबार का पट खोलकर श्रद्धालुओं को दिव्य दर्शन कराया गया। इसके उपरांत "भए प्रगट कृपाला दीन दयाला" भजन के साथ श्रीराम की भव्य झांकी आश्रम परिसर में भ्रमण कर कथा पंडाल में विराजमान कराई गई। इस दिन राम नाम संकीर्तन के यजमान डॉ. प्रणव प्रियदर्शी रहे। यज्ञ संयोजक राम भजन ने बताया कि श्री राम नाम संकीर्तन एवं सद्गुरु महायज्ञ हवन 29 मार्च तक भक्ति भाव से निरंतर चलता रहेगा। यज्ञ समिति द्वारा सभी संतों का अंगवस्त्र देकर सम्मान किया गया। राम जन्मोत्सव के अवसर पर आश्रम में भव्य महा भंडारा का आयोजन किया गया, जिसका शुभारंभ संत देवव्रत जी महाराज एवं मोतिहारी की मेयर प्रीति कुमारी ने प्रसाद वितरण कर किया। इस अवसर पर हजारों की संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। मेयर प्रीति कुमारी ने कहा कि "श्री राम कथा मानव जीवन के मूल मूल्यों से जुड़ी हुई है।" कार्यक्रम का समापन आरती के साथ हुआ। सह-संयोजक रंजीत कुमार ने बताया कि 21 दिवसीय श्री राम नाम संकीर्तन 29 मार्च तक जारी रहेगा। कथा के दौरान राम राज्याभिषेक की भव्य झांकी का भी दर्शन कराया गया। इस आयोजन को सफल बनाने में डॉ. मनोज केसरी, हरिशंकर सिंह, दिलीप केसरी, पप्पू कुमार, देवेंद्र पाठक, राजीव कुमार, कृष्ण कुमार, हरीकिशोर सिंह, श्रवण कुमार, विक्की कुमार, वीरेंद्र प्रसाद, चंद्रशेखर प्रसाद, रंजन कुमार, नागेंद्र जायसवाल, अशोक कुमार गुप्ता, अशोक कुमार सिंह सहित अनेक श्रद्धालुओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

वयोवृद्ध अधिवक्ता साधु शरण सिंह का निधन

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। बॉर्डर न्यूज मिरर के प्रधान संपादक सागर सूरज के पिता एवं सिविल कोर्ट के सहायक लोक अभियोजक साधु शरण सिंह(90 वर्ष) का निधन हो गया। वे सरोतर निवासी थे और उनका देहांत राजा बाजार स्थित उनके आवास पर हुआ। उनके निधन से न्यायिक व पत्रकारिता जगत में गहरा शोक व्याप्त है। परिजनों के अनुसार, साधु शरण सिंह पिछले कई महीनों से बीमार चल रहे थे और उनका इलाज भी चल रहा था। गुरुवार को उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर मिलते ही अधिवक्ताओं, पत्रकारों और स्थानीय लोगों में शोक की लहर दौड़ गई। उनके आवास पर शोक व्यक्त करने वालों का तांता लग गया। शोक व्यक्त करने वालों में डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष शेष नारायण कुंवर, महासचिव राजीव कुमार द्विवेदी उर्फ पप्पू द्विवेदी, नरेन्द्र देव, कन्हैया प्रसाद, जय नारायण सिंह, संभु शरण सिंह, दिवाकर प्रसाद, शिक्षाविद आलोक शर्मा सहित सैकड़ों अधिवक्ता व पत्रकार शामिल हैं। सभी ने गहरा दुःख व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की तथा शोक संतप्त परिवार को इस दुख की घड़ी में धैर्य रखने की शक्ति देने की कामना की।

196 दिन बाद जमानत पर रिहा हुईं मुखिया फरजाना अंसारी, समर्थकों ने किया भव्य स्वागत

बीएनएम @ हरसिद्धि

मुरारपुर पंचायत की मुखिया फरजाना अंसारी गुरुवार को 196 दिनों बाद जमानत पर रिहा होकर न्यायिक हिरासत से बाहर आईं। रिहाई के बाद जैसे ही वह अपने सरिसवा स्थित आवास पहुंचीं, समर्थकों का भारी हुजूम उमड़ पड़ा और फूल-मालाओं से उनका भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल देखने को मिला। मुखिया के स्वागत के लिए बड़ी संख्या में लोग, विशेषकर महिलाएं, मौजूद रहीं। समर्थकों ने उन्हें फूल-मालाएं पहनाकर शुभकामनाएं दीं और अपना समर्थन जताया। इस मौके पर फरजाना अंसारी ने कहा कि उनके कार्यकाल में पंचायत में ऐसे विकास कार्य शुरू हुए, जो पिछले 75 वर्षों में नहीं हो सके थे। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके विकास कार्यों से कुछ लोग असहज थे, जिसके चलते उनके खिलाफ साजिश रची गई। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि इससे उनके संकल्प पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि पंचायत में विकास कार्य आगे भी जारी रहेंगे और आम जनता का भरोसा किसी भी हाल में टूटने नहीं दिया जाएगा। मुखिया की रिहाई को लेकर क्षेत्र में खासा उत्साह देखा गया और उनके समर्थकों ने इसे न्याय की जीत बताया।

मगर नजरों से गिरने का कोई मौसम नहीं होता...

बीएनएम @ कोटवा

कोटवा। जसौली पट्टी में आयोजित चंपारण सत्याग्रह महोत्सव के दूसरे दिन कवि-सम्मेलन और मुशायरे का आयोजन हुआ, जिसमें देश के नामचीन कवियों ने भाग लिया। शाइर गुलरेज शहजाद ने पढ़ा -ये पतझड़ है तो गिरते हैं हरे पेड़ों से भी पत्ते / मगर नजरों से गिरने का कोई मौसम नहीं होता तो सुहैल उस्मानी ने कहा - तू अपनी आज खोएगा तू अपनी शान खोएगा/कभी तू मुस्कुराएगा कभी जी भर के रोएगा/ मोहब्बत और सियासत का यही तो खेल है प्यारे/ जो तेरे साथ रहता है वही तुझको डूबोयेगा। कवि अनुपम प्रियदर्शी ने पढ़ा- यह देशभक्तों को सत्य निष्ठा/ की पूर्ण शक्ति बताने वाली/ यह लोकनायक को लोकमंगल/ का मार्ग मनहर दिखाने वाली/ यह पूज्य बापू की कर्मभूमि/ है सत्य आग्रह की जन्मभूमि। कवि बादशाह प्रेमी ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को हास्य-व्यंग्य की दुनिया की सैर करायी तो अरुण गोपाल ने अपनी रचनाओं से गंभीर माहौल बनाया। गुंजा गुनगुन और शुभांगी भारती ने भी अपनी रचनाओं से श्रोताओं को जोड़े रखा। "रोज सवेरे जीने की तैयारी है/ शाम हुई तो मरने की लाचारी है" - उर्दू के स्थापित तंजिया एवं मजहिया शाइर तंग इनायतपुरी ने कार्यक्रम का मंच-संचालन किया। देर रात तक कविता और ग़ज़लों की प्रस्तुति होती रही और श्रोतागण जमे रहे। इस कार्यक्रम में चिरंजीव पाण्डेय प्रखण्ड विकास पदाधिकारी,प्रो अरुण कुमार मिश्र पूर्व प्राचार्य, रामाकांत पाण्डेय अधिवक्ता, पवन राज,डॉ विनय सिंह, मनोज मुखिया जिला परिषद सदस्य, संजय पाण्डेय,राय सुन्दर देव शर्मा,संजीव साह,डॉ चंदन जायसवाल,अरुण कुमार सिंह के साथ हजारों की संख्या में श्रोता देर रात तक जमे रहे।

संक्षिप्त समाचार

पटजीरवा देवी स्थान पर नवरात्र उत्सव संपन्न

बीएनएम @ बेतिया। बैरिया प्रखंड के पूजहा पटजीरवा देवी माई स्थान पर चैत्र नवरात्र और रामनवमी का पर्व अपार श्रद्धा के साथ संपन्न हुआ। सुबह से ही हजारों श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर माता के दर्शन किए और सुख-समृद्धि की कामना की। मंदिर परिसर में आयोजित भव्य मेले में झूलों और भजन-कीर्तन ने उत्सव की रौनक बढ़ा दी।पंडित विनीत कुमार मिश्रा, हरि जी, रितेश जी और विक्कू जी के अनुसार, माँ के दरबार में सच्चे मन से मांगी गई हर मुराद पूरी होती है। इसी आस्था के साथ भक्तों ने भगवान श्रीराम की महिमा का गुणगान भी किया। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर श्रीनगर पुलिस पूरी तरह मुस्तैद रही और हुड़दंगियों पर पैनी नजर रखी, जिससे पूरा आयोजन शांतिपूर्ण और गरिमामय ढंग से संपन्न हुआ।

लकड़ी दरगाह के पास अंधाधुंध फायरिंग, दो युवक लहूलुहान

कानून व्यवस्था सामान्य, आरोपी पर होगी सख्त कार्रवाई:एसपी

बीएनएम @ सीवान। सीवान जिले के बड़हरिया थाना क्षेत्र स्थित लकड़ी दरगाह के पास गुरुवार की शाम आपसी रंजिश को लेकर हुई गोलीबारी में दो युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गए। घायलों की पहचान वीरेंद्र प्रसाद के पुत्र रोहित कुमार और शोहराब अली के पुत्र अशरफ अली के रूप में हुई है। घटना शाम करीब 7 बजे की है, जब पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों में विवाद हुआ और देखते ही देखते गोली चल गई।सूचना मिलते ही बड़हरिया पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घायलों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया, जहाँ उनकी स्थिति फिलहाल सामान्य बताई जा रही है। एसपी पुरन कुमार झा ने बताया कि पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना में शामिल एक मुख्य आरोपी मो. निजाम (पुत्र अहमद हसन) को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के पास से एक देसी पिस्टल और एक खोखा भी बरामद किया है। मामले में कांड दर्ज कर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और वर्तमान में क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनी हुई है।

आरटीई के तहत नामांकन हेतु मिला 10 अप्रैल तक का अतिरिक्त समय

» 70 हजार में से 16 हजार बच्चों का दाखिला अभी भी बाकी
» शिक्षा निदेशक ने जिलों को जारी किया अल्टीमेटम

बीएनएम @ पटना: शिक्षा का अधिकार कानून के तहत निजी विद्यालयों में नामांकन की प्रक्रिया को लेकर शिक्षा विभाग ने बड़ा निर्णय लिया है। राज्य के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों और कार्यक्रम अधिकारियों को निर्देशित करते हुए नामांकन की अंतिम तिथि अब 10 अप्रैल तक बढ़ा दी गई है। प्राथमिक शिक्षा निदेशक विक्रम विरकर ने स्पष्ट किया है कि जो विद्यालय इस प्रक्रिया में उदासीनता बरतेंगे, उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।विदित हो कि 25 प्रतिशत आरक्षित सीटों पर अलाभकारी और कमजोर वर्ग के बच्चों के नामांकन के लिए 23 फरवरी को प्रथम चरण का रेंडमाइजेशन हुआ था। पूर्व में इसके लिए 20 मार्च तक की तिथि निर्धारित थी, लेकिन चयनित 70,155 छात्रों में से अब तक केवल 53,479 का ही नामांकन हो सका है। इसी बैकलॉग को देखते हुए विभाग ने तिथि विस्तार का आदेश दिया है। विभाग ने सभी जिलों को निर्देश दिया है कि ऑनलाइन चयनित शत-प्रतिशत बच्चों का दाखिला सुनिश्चित कराएं और नियम उल्लंघन करने वाले स्कूलों की सूची कार्रवाई हेतु उपलब्ध कराएं।

101 बुनियाद केंद्रों पर होगी मुफ्त नेत्र जांच, बंटेंगे एक लाख चश्मे

30 मार्च से शुरू होगा दूसरा चरण

बीएनएम @ पटना: बिहार सरकार ने दृष्टि दोष के निवारण और अंधेपन की रोकथाम के लिए एक बड़ी पहल की है, जिसके तहत राज्य के सभी 101 बुनियाद केंद्रों पर एक महीने तक निशुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। "उज्ज्वल दृष्टि" योजना के अंतर्गत इस अभियान में एक लाख निशुल्क चश्मे वितरित करने का लक्ष्य रखा गया है। समाज कल्याण और स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में यह अभियान तीन चरणों में चलाया जा रहा है।पहले चरण की शुरुआत 23 मार्च से 22 केंद्रों पर हो चुकी है, जहाँ अब तक 883 लोगों की जांच कर 722 को चश्मे के लिए चिन्हित किया गया है। दूसरा चरण 30 मार्च से 25 केंद्रों पर और अंतिम चरण शेष केंद्रों पर शुरू होगा। समाज कल्याण सचिव ने प्रत्येक केंद्र को एक माह में न्यूनतम एक-एक हजार चश्मे बांटने का निर्देश दिया है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में अब तक 89,695 चश्मे बांटे जा चुके हैं। लोग सहायता के लिए टोल-फ्री नंबर 18003456262 पर कॉल कर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

नवलपुर देवी स्थान पर श्रद्धालुओं ने टेका मत्था

बीएनएम @ योगापट्टी: योगापट्टी प्रखंड में चैत्र नवरात्र और रामनवमी का पर्व पूरी श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। नवलपुर देवी माई स्थान पर सुबह से ही हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी, जहाँ लोगों ने कतारबद्ध होकर माता के दर्शन किए और सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर भव्य मेले का आयोजन किया गया, जिसमें बड़े झूलों और भजन-कीर्तन ने भक्तों का मन मोह लिया।नवलपुर के अलावा कोटवा माई स्थान, पूजहा पटजीरवा, और बलुआ भवानीपुर के कुटी माई स्थान जैसे विभिन्न शक्तिपीठों पर भी भारी भीड़ देखी गई। सुरक्षा की दृष्टि से योगापट्टी और नवलपुर पुलिस पूरी तरह मुस्तैद रही। पुलिस बल ने हुड़दंगियों पर पैनी नजर रखी, जिससे पूरा उत्सव शांतिपूर्ण और भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ।

रामनवमी पर केसरिया ध्वजा से पटे हनुमान मंदिर

'जय श्रीराम' के जयकारों से गूंजा शहर

बीएनएम @ भागलपुर। रामनवमी के पावन अवसर पर हनुमान मंदिरों में बजरंगबली को ध्वजा अर्पित करने के लिए आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। भागलपुर शहर के प्रमुख स्थलों, जैसे घंटाघर, डिक्सन मोड़ और नवाबाजार चौक स्थित चमत्कारी हनुमान मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देखी गईं। भक्त 'जय श्रीराम' के उद्घोष के साथ केसरिया ध्वजा चढ़ाकर सुख-समृद्धि की कामना कर रहे हैं।मंदिरों में भजन-कीर्तन और विशेष आरती के आयोजनों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया है। इस दौरान महिलाओं और बच्चों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, वहीं कई श्रद्धालु उपवास रखकर प्रभु की आराधना में लीन दिखे। पूर्व नगर विधायक अजीत शर्मा ने भी अपनी पत्नी के साथ घंटाघर चौक स्थित मंदिर में मत्था टेका।प्रशासन ने सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण के पुख्ता इंतजाम किए हैं। शहर के बरारी, तिलकामांझी और आदमपुर समेत अन्य क्षेत्रों में भी भारी भीड़ को देखते हुए ट्रैफिक रूट में बदलाव किया गया है। घंटाघर चौक पर भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाते हुए बैरिकेडिंग की गई है, ताकि श्रद्धालु सुगमता से दर्शन-पूजन कर सकें।

श्री चंडी महायज्ञ: सीता हरण के भावुक मंचन से नम हुईं श्रद्धालुओं की आंखें

बीएनएम @ अरेराज

अरेराज। प्रखंड अंतर्गत गुरहां गांव में आयोजित नौ दिवसीय श्री चंडी महायज्ञ इन दिनों पूरे क्षेत्र में आस्था, भक्ति और सांस्कृतिक चेतना का एक अद्भुत केंद्र बन गया है। इस महायज्ञ की भव्यता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि सुबह की मंगल आरती से लेकर देर रात के भजन-कीर्तन तक पूरा वातावरण मां चंडी के जयकारों से गुंजायमान रहता है। आयोजन के आठवें दिन कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ सोमेश्वरनाथ महादेव मंदिर के पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर स्वामी रविशंकर गिरी और गोविंदगंज के पूर्व विधायक राजन तिवारी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए स्वामी रविशंकर गिरी ने महायज्ञ की महत्ता पर प्रकाश डाला और बताया कि श्री चंडी महायज्ञ का मूल आधार मार्कंडेय पुराण का महत्वपूर्ण भाग दुर्गा सप्तशती है। उन्होंने विस्तार से समझाया कि माँ भगवती के तीन स्वरूपों—महाकाली, महालक्ष्मी और महासरस्वती की आराधना से व्यक्ति को साहस, शक्ति और आत्मविश्वास की प्राप्ति होती है। उनके अनुसार यह यज्ञ न केवल वातावरण की शुद्धि करता है बल्कि समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार कर मानसिक तनाव को भी कम करता है। महायज्ञ के दौरान आयोजित रामलीला में कलाकारों द्वारा प्रस्तुत सीता हरण और जटायु वध के प्रसंग ने उपस्थित जनसमूह को भावविभोर कर दिया। मंचन के दौरान दिखाया गया कि किस प्रकार मायावी स्वर्ण मृग के पीछे भगवान राम के जाने के बाद रावण साधु का वेश धरकर माता सीता का छल से हरण कर लेता है। इस मार्मिक दृश्य को देखकर पंडाल में मौजूद दर्शकों की आंखें नम हो गईं। इसके पश्चात रावण और वीर जटायु के बीच हुए भीषण युद्ध का जीवंत दृश्य विशेष आकर्षण का केंद्र रहा, जिसमें जटायु ने अपनी अंतिम सांस तक रावण से संघर्ष किया और गंभीर रूप से घायल होकर धरती पर गिर पड़े। इस पूरे घटनाक्रम ने वातावरण को अत्यंत भावुक बना दिया और श्रद्धालुओं के बीच भक्ति का गहरा संचार हुआ। इस गरिमामयी अवसर पर क्षेत्र के कई प्रमुख व्यक्ति और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे, जिनमें नगर अध्यक्ष रन्टु पांडेय, थानाध्यक्ष राजू कुमार मिश्रा, मुखिया रामबाबू मिश्रा, देशबंधु सिंह, प्रो. कामेश्वर मिश्रा, अरविंद मिश्रा, ऐश्वर्य मिश्रा, यज्ञ समिति के अध्यक्ष रामनिवास पांडेय और सरपंच धनंजय चौबे सहित अन्य गणमान्य लोग शामिल थे। कार्यक्रम का सफल संचालन 'छोटा सर' द्वारा किया गया, जबकि यज्ञाचार्य पंडित मदन शास्त्री, संयोजक संजीव कुमार मिश्रा, सहसंयोजक रामकिशोर प्रसाद चौरसिया और चंद्रभूषण पाठक के नेतृत्व में पूरी आयोजन समिति व्यवस्थाओं को सुचारू बनाने में जुटी रही। महायज्ञ में सरेया, रढ़िया और मिश्रौलिया सहित आसपास के दर्जनों गांवों से भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर आहुति दे रहे हैं और माता का आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं।

रामगढ़वा थाना क्षेत्र में पॉक्सो एक्ट का अभियुक्त गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी

रामगढ़वा थाना पुलिस ने पॉक्सो एक्ट से जुड़े एक मामले में कार्रवाई करते हुए एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, थाना कांड संख्या-300/22 में नामजद अभियुक्त विशाल कुमार, पिता-राजीव राम, निवासी-भटवलिया, थाना-सरैया, जिला-मुजफ्फरपुर को गिरफ्तार किया गया। बताया जाता है कि अभियुक्त लंबे समय से पुलिस की पकड़ से बाहर था और उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे थे। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने छापेमारी कर उसे दबोच लिया। गिरफ्तारी के बाद अभियुक्त से पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तारी के उपरांत अभियुक्त के विरुद्ध आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर न्यायिक हिरासत में भेजने की तैयारी की जा रही है। इस कार्रवाई से क्षेत्र में पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ा है और लोगों ने पुलिस की सक्रियता की सराहना की है।

'प्रज्ञानिका' का भव्य विमोचन, शिक्षा में नवाचार को मिलेगा नया मंच

बीएनएम @ पटना

पटना। बिहार दिवस के अवसर पर "टीचर्स ऑफ बिहार" की ओर से प्रकाशित त्रैमासिक पत्रिका 'प्रज्ञानिका' (द्वितीय खंड, प्रथम अंक) का भव्य विमोचन किया गया। यह पत्रिका राज्य के शिक्षा जगत में नवाचार, संवाद और रचनात्मकता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है। पटना में आयोजित समारोह में पत्रिका की संपादन टीम ने बिहार शिक्षा विभाग के शीर्ष अधिकारियों एवं गणमान्य व्यक्तियों को इसकी प्रथम प्रति भेंट की। इस दौरान निदेशक प्राथमिक शिक्षा विक्रम वीरकर, राज्य परियोजना निदेशक नवीन कुमार, राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी (बीईपीसी) उदय कुमार उज्ज्वल, जिला शिक्षा पदाधिकारी पटना साकेत रंजन एवं पूर्व शिक्षा विभाग सचिव बैद्यनाथ यादव उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों ने पत्रिका की सराहना करते हुए इसे शिक्षा सुधार और शिक्षकों के सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। पत्रिका में शिक्षकों के अभिनव प्रयोग, सफलता की कहानियां, छात्रों की प्रतिभा और शिक्षा से जुड़े समसामयिक विषयों को प्रमुखता से शामिल किया गया है। इसे शिक्षकों, छात्रों और शिक्षा विभाग के बीच संवाद का सशक्त माध्यम माना जा रहा है। इस पत्रिका के प्रधान संपादक डॉ. चंदन श्रीवास्तव हैं, जबकि सह-संपादक के रूप में शुभी श्रीवास्तव एवं डॉ. पूनम कुमारी, संपादक डॉ. विनोद कुमार उपाध्याय, पाठ शोधक ई. शिवेंद्र प्रकाश सुमन तथा तकनीकी सहयोग शिव कुमार ने अहम भूमिका निभाई है। इसके अलावा कई सहयोगी सदस्यों का भी योगदान रहा है। "टीचर्स ऑफ बिहार" के संस्थापक शिव कुमार एवं टेक्निकल टीम लीडर ई. शिवेंद्र प्रकाश सुमन ने संयुक्त बयान में कहा कि 'प्रज्ञानिका' शिक्षकों की रचनात्मकता और नवाचार का आईना है, जो शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए एक आंदोलन के रूप में कार्य करेगा। वहीं प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार एवं मीडिया संयोजक मृत्युंजय कुमार ने इसे शिक्षकों की आवाज को मंच देने वाला सशक्त प्रयास बताया। पत्रिका का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को अपने अनुभव, नवाचार और विचार साझा करने के लिए एक मंच प्रदान करना है, जिससे शिक्षा व्यवस्था में गुणवत्ता सुधार और सकारात्मक परिवर्तन को बल मिल सके।

रामनवमी पर हथियार और डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध : थानाध्यक्ष

बीएनएम @ एकंगरसराय

रूट का पालन करें और अफवाहों से बचें, ड्रोन से होगी निगरानी

रामनवमी शोभायात्रा को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से शुक्रवार को एकंगरसराय थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। थानाध्यक्ष अखिलेश कुमार झा की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में दोनों समुदायों के प्रबुद्धजनों, समाजसेवियों और जनप्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। थानाध्यक्ष ने स्पष्ट निर्देश दिया कि जुलूस के दौरान तलवार, बरछी या गड़ासा जैसे किसी भी धारदार हथियार का प्रदर्शन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। साथ ही, डीजे के उपयोग पर रोक लगाते हुए निर्धारित रूट का पालन करने और ध्वनि विस्तारक यंत्रों से किसी भी प्रकार के अश्लील या आपत्तिजनक गाने न बजाने की सख्त हिदायत दी गई।सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन ने आधुनिक तकनीक का सहारा लेने का निर्णय लिया है, जिसके तहत सीसीटीवी और ड्रोन कैमरों से चप्पे-चप्पे पर नजर रखी जाएगी। थानाध्यक्ष ने चेतावनी दी कि बाइक से उपद्रव करने वालों और सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यातायात व्यवस्था सुचारू रखने के लिए जुलूस को बाईं ओर चलाने और दाईं ओर पुलिस बल व वॉलंटियर्स की तैनाती की योजना बनाई गई है।बैठक में उपस्थित सभी गणमान्य लोगों ने प्रशासन को पूर्ण सहयोग का भरोसा दिया। इस मौके पर 20 सूत्री अध्यक्ष सर्वेश प्रसाद, जिला परिषद प्रतिनिधि संतोष यादव, हर्षित यादव, मदन प्रसाद, गौरव कुमार, मो0 निशार, मो0 आबिद हुसैन, डॉ0 अनीष कुमार, A2S दिनकर फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ0 अमरेंद्र कुमार, टुन्ना प्रसाद, प्रमोद कुमार समेत सैकड़ों लोग मौजूद थे।

रामनवमी पर भारत विकास परिषद रक्सौल का कन्या पूजन, 5 निर्धन बेटियों की शिक्षा का लिया जिम्मा

बीएनएम @ रक्सौल

रक्सौल। चैत्र रामनवमी के पावन अवसर पर भारत विकास परिषद, शाखा–रक्सौल के तत्वावधान में कोईरिया टोला स्थित शिवनारायण निवास परिसर में भव्य कन्या पूजन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम श्रद्धा, भक्ति और उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन महिला सहभागिता प्रमुख श्रीमती मेनका गुप्ता के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान सीमा गुप्ता, किरण गुप्ता, श्वेता रानी, कामिनी सिंह, शकुन्तला देवी, ममता देवी, मीना देवी, बबली सिकारिया एवं अरुणिमा जायसवाल ने सक्रिय भूमिका निभाई। समारोह में 30 कन्याओं का विधिवत पूजन कर उन्हें उपहार प्रदान किए गए। पूजन के दौरान कन्याओं के चरण पखारे गए, उनका श्रृंगार किया गया तथा मां दुर्गा की आराधना के बीच आरती और पूजा-अर्चना संपन्न हुई। इसके बाद सभी कन्याओं को भोजन प्रसाद कराया गया और उन्हें पठन सामग्री, फल एवं अन्य उपयोगी वस्तुएं भेंट की गईं। इस अवसर पर परिषद के सचिव नरेश कुमार, वित्त सचिव सुनील कुमार एवं महिला सहभागिता प्रमुख मेनका गुप्ता ने संयुक्त रूप से विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। शाखा अध्यक्ष रजनीश प्रियदर्शी एवं सचिव नरेश कुमार ने कहा कि कन्याएं समाज और राष्ट्र की मजबूत आधारशिला हैं। उन्होंने शिक्षा, संस्कार और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। मेनका गुप्ता ने अपने संबोधन में नारी शक्ति के महत्व पर प्रकाश डालते हुए समाज में व्याप्त कुरीतियों—जैसे यौन शोषण, भ्रूण हत्या और दहेज उत्पीड़न—पर चिंता जताई। उन्होंने बेटियों के संरक्षण और सम्मान को समय की आवश्यकता बताते हुए सभी से संकल्प लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान संस्कार संयोजक विजय कुमार साह ने घोषणा की कि 'बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ' अभियान के तहत रक्सौल शाखा द्वारा पांच अति निर्धन कन्याओं के एक वर्ष तक की पढ़ाई—जिसमें ट्यूशन शुल्क, पुस्तक, कॉपी एवं अन्य शैक्षणिक सामग्री शामिल है—का पूरा खर्च उठाया जाएगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में संपर्क प्रमुख उमेश सिकारिया सहित परिषद के कई सदस्यों ने सक्रिय योगदान दिया। समारोह सामाजिक सरोकार और नारी सम्मान का सशक्त संदेश देकर संपन्न हुआ।

यमुनापुर तडवलिया में बीती रात भीषण अगलगी

पीड़ित परिवार की एक लाख से अधिक की संपत्ति स्वाहा

बीएनएम @ बगहा

बगहा : बगहा अनुमंडल के पंचायत राज यमुनापुर तडवलिया (वार्ड-10) में बीती रात भीषण अगलगी की घटना हुई, जिसमें कैलाश राम का आशियाना जलकर पूरी तरह राख हो गया। अचानक भड़की आग ने इतनी तेजी पकड़ी कि ग्रामीणों के अथक प्रयासों के बावजूद घर में रखा राशन, कपड़े, बर्तन और बक्से सहित लगभग एक लाख रुपये से अधिक की संपत्ति जल गई।सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक घर पूरी तरह नष्ट हो चुका था। आग लगने का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं है। बेघर हुए पीड़ित परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। स्थानीय ग्रामीणों ने प्रशासन से आर्थिक सहायता की मांग की है, जिसके लिए पीड़ित परिवार बगहा अंचल कार्यालय में आवेदन देने की तैयारी कर रहा है।

खुले में पड़ा बायोमेडिकल वेस्ट फैला रहा दुर्गंध

» मरीजों और कर्मियों में भारी रोष

बीएनएम @ किशनगंज

किशनगंज। सदर अस्पताल किशनगंज में स्वास्थ्य और स्वच्छता को लेकर गंभीर लापरवाही का मामला प्रकाश में आया है। अस्पताल के पोस्टमार्टम रूम के समीप मेडिकल कचरे का विशाल अंबार लग गया है, जिससे उठने वाली तीव्र दुर्गंध ने मरीजों, परिजनों और अस्पताल कर्मियों का जीना मुहाल कर दिया है। कचरे के इस ढेर में प्रयुक्त सिरिंज, सुई, खून से सनी पट्टियां और अन्य बायोमेडिकल वेस्ट खुले में पड़े हैं, जो संक्रमण का बड़ा स्रोत बन सकते हैं।विशेषज्ञों के अनुसार, इस प्रकार कचरे का निस्तारण न होने से एचआईवी और हेपेटाइटिस जैसी घातक बीमारियों के फैलने का खतरा बना रहता है। अस्पताल कर्मियों, विशेषकर नर्सों ने शिकायत की है कि इस दुर्गंध के कारण उन्हें सिरदर्द और सांस लेने में कठिनाई हो रही है। बताया जा रहा है कि सफाई ठेकेदार की शिथिलता और प्रशासन की निगरानी के अभाव में स्थिति भयावह हो गई है। स्थानीय नागरिकों और मरीजों ने संक्रमण के बढ़ते जोखिम को देखते हुए अविलंब कचरा हटाने और सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की है।

जिले में 23 हजार से अधिक सिलेंडर स्टॉक में एलपीजी की कालाबाजारी पर होगी एफआईआर

बीएनएम @ बेतिया

बेतिया। अपर समाहर्ता-सह-जिला आपूर्ति पदाधिकारी अनिल कुमार सिन्हा ने स्पष्ट किया है कि जिले में एलपीजी गैस की कोई किल्लत नहीं है और आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह नियंत्रण में है। प्रशासन गैस की कालाबाजारी, अवैध भंडारण और अनियमितता को लेकर अत्यंत सख्त है, जिसके लिए तीनों अनुमंडलों में लगातार निगरानी की जा रही है। किसी भी गड़बड़ी पर तत्काल प्राथमिकी दर्ज करने के निर्देश दिए गए हैं।वर्तमान आंकड़ों के अनुसार, जिले में 23,393 सिलेंडरों का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और बीते दिन 10,916 सिलेंडरों की सफल डिलीवरी की गई है। शिकायतों के त्वरित निष्पादन हेतु प्राप्त सभी 62 शिकायतों को सही पाया गया है। श्री सिन्हा ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें। प्रशासन बैकलॉग कम करने और सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह सतर्क और प्रयासरत है।

पैदा लोकतांत्रिक भविष्य से खिलवाड़

मुश्किलें इसलिए पैदा हुई हैं, क्योंकि सत्ता पक्ष ने पद, प्रक्रिया और परिणाम की गरिमा की चिंता छोड़ दी है। व्यापक रूप से संवैधानिक व्यवस्था की साख के साथ क्या हो रहा है, इसकी फिक्र करने की जरूरत वह नहीं समझता।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर बहस के दौरान विपक्ष ने संसदीय कार्यवाही के संचालन में अपने प्रति भेदभाव के साथ-साथ सत्ता पक्ष से स्पीकर की मिलीभगत का आरोप खुल कर लगाया। जैसा अनुमान था, अविश्वास प्रस्ताव ध्वनिमत से नामंजूर कर दिया गया। मगर जिस रोज ये हुआ, उसी दिन विपक्ष के 180 सांसदों ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ पेश होने वाले अविश्वास प्रस्ताव पर दस्तखत कर दिए। अब इस प्रस्ताव को दोनों सदनों में पेश किया जाएगा। विचार के लिए प्रस्ताव के स्वीकार होने की प्रक्रिया लंबी है, इसलिए इस पर बहस के लिए (अगर वो हुई तो) अभी इंतजार करना पड़ेगा।

वैसे, चर्चा हुई भी, तो यह अनुमान पहले से लगाया जा सकता है कि इसका हश्र स्पीकर के खिलाफ पेश प्रस्ताव से अलग नहीं होगा। कारण संसदीय गणित है। आज के माहौल में इसकी उम्मीद तो नहीं की जा सकती कि सत्ता पक्ष चुनाव प्रक्रिया की स्वच्छता एवं निष्पक्षता की व्यापक अपेक्षाओं को अपने दलगत हित पर तरजीह देकर समझने का प्रयास करेगा कि विपक्ष आखिर संवैधानिक पद पर बैठे एक व्यक्ति से इतना ख़फा क्यों है? और यही समस्या की जड़ है। मुश्किलें इसलिए पैदा हुई हैं क्योंकि सत्ता पक्ष ने पद, प्रक्रिया और परिणाम की गरिमा की चिंता छोड़ दी है। उसे मतदाताओं की गोलबंदी की अपनी क्षमता पर इतना भरोसा है कि व्यापक रूप से संवैधानिक व्यवस्था की साख के साथ क्या हो रहा है, इसकी फिक्र करने की जरूरत वह नहीं समझता। नतीजा, अब तक राजनीतिक विवाद से परे माने जाने जानी संवैधानिक संस्थाएं और उनमें पदासीन प्राधिकारी अब रोजमर्रा की सियासत का मुद्दा बन गए हैं। उनको लेकर जनमत बंटता चला गया है। लोकतंत्र के दीर्घकालिक भविष्य के लिए इससे ज्यादा चिंताजनक बात कोई और नहीं हो सकती। अगर राजनीतिक समूह और जनमत के एक बड़े दायरे का मुख्य निर्वाचन आयुक्त एंव स्पीकर पर यकीन नहीं है, तो उससे चुनाव एवं संसदीय प्रक्रियाएं लांछित हो जाती हैं। जो लोग इसके खतरे को आज गंभीरता से नहीं ले रहे हैं, वे इस देश के लोकतांत्रिक भविष्य से खिलवाड़ कर रहे हैं।

जेलों में मौतें, आत्महत्याएं, अव्यवस्थाएं -सलाखों के पीछे भी असुरक्षित जीवन?

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

- सुप्रीम कोर्ट का नोटिस,राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग का स्वतः संज्ञान- जेल व्यवस्था, मानवाधिकार और न्याय प्रणाली पर वैश्विक प्रश्नचिन्ह

ज़ेलों में विचाराधीन कैदी-न्याय से पहले सजा?क्या हम वास्तव में न्याय कर रहे हैं या एक और अन्याय को जन्म दे रहे हैं?

सजा का उद्देश्य प्रतिशोध नहीं, बल्कि सुधार और पुनर्वास होना चाहिए।सलाखों के पीछे भी सेफ नहीं?यह प्रश्न हमें आत्ममंथन करने के लिए मजबूर करता है

वैश्विक स्तरपर आधुनिक लोकतांत्रिक समाज में जेल का उद्देश्य केवल अपराधी को दंडित करना नहीं, बल्कि उसे सुधारना और पुनर्वास के लिए तैयार करना भी होता है। परंतु जब जेलें स्वयं ही भय,बीमारी और उपेक्षा का केंद्र बन जाएं,तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या हम वास्तव में न्याय कर रहे हैं या एक और अन्याय को जन्म दे रहे हैं? सलाखों के पीछे भी सेफ नहीं?, यह केवल एक भावनात्मक प्रश्न नहीं,बल्कि कठोर वास्तविकता का दर्पण है।अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार मानकों के अनुसार,कैदियों से उनका स्वतंत्रता का अधिकार तो छीना जा सकता है,लेकिन उनका जीवन, स्वास्थ्य और गरिमा का अधिकार नहीं।इसके बावजूद भारत सहित दुनियाँ के कई देशों में जेलों की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह बताना चाहता हूं कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा निर्धारित नेल्सन मंडेला नियम (यू एन स्टैंडर्ड मिनिमम् रूल्स फॉर द ट्रीटमेंट ऑफ़ प्रिजनर्स) स्पष्ट रूप से कहते हैं कि कैदियों के साथ मानवीय व्यवहार किया जाना चाहिए।उन्हें पर्याप्त भोजन,स्वच्छ पानी,स्वास्थ्य सुविधाएं और मानसिक स्वास्थ्य सहायता मिलनी चाहिए। लेकिन व्यवहारिक धरातल पर इन सिद्धांतों और वास्तविकता के बीच गहरी खाई दिखाई देती है। जेलें, जो सुधार गृह मानी जाती हैं,अक्सर प्रताड़ना, हिंसा और उपेक्षा के केंद्र बन जाती हैं। यह स्थिति केवल विकासशील देशों तक सीमित नहीं है, बल्कि विकसित देशों में भी कई बार ऐसी घटनाएं सामने आती रही हैं।

साथियों बात अगर हम भारत में जेलों की भीड़ःएक गंभीर संरचनात्मक संकट को समझने की करें तो,भारत की जेल व्यवस्था की सबसे बड़ी समस्या है,क्षमता से अधिक भीड़। कई राज्यों में जेलों की ऑक्यूपेंसी दर 150 प्रतिशत से लेकर 200 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है। उदाहरण के तौर पर, दिल्ली की जेलों में 200 प्रतिशत तक कैदी भरे हुए हैं, जबकि उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश में यह आंकड़ा 150 प्रतिशत से अधिक है। इस भीड़ का सबसे बड़ा कारण है विचाराधीन कैदियों की अत्यधिक संख्या। आंकड़ों के अनुसार, भारत के लगभग 73.5 प्रतिशत कैदी ऐसे हैं जिनका अभी दोष सिद्ध नहीं हुआ है और वे केवल ट्रायल का इंतजार कर रहे हैं। यह स्थिति न्यायिक प्रणाली की धीमी गति और मामलों के लंबित रहने का सीधा परिणाम है।

साथियों बात अगर हम विचाराधीन कैदीः न्याय से पहले सजा? इसको समझने की करें तो,विचाराधीन कैदी वह होते हैं जिन्हें अभी अदालत ने दोषी नहीं ठहराया है, फिर भी वे वर्षों तक जेल में बंद रहते हैं। यह स्थिति निर्दोषता की धारणा (प्रेसम्प्शन ऑफ़ इनोसेंस) के सिद्धांत के विपरीत है। न्यायिक देरी के कारण कई कैदी अपने संभावित सजा से अधिक समय जेल में बिता देते हैं। यह न केवल उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है, बल्कि न्याय व्यवस्था की विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़ा करता है।जेलों में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति अत्यंत दयनीय है। डॉक्टरों और चिकित्सा कर्मचारियों के लगभग 30-40 प्रतिशत पद खाली हैं।दिल्ली जैसी जगहों पर प्रति 200 कैदियों पर केवल एक डॉक्टर उपलब्ध है।इसका परिणाम यह होता है कि गंभीर बीमारियों का समय पर इलाज नहीं हो पाता। अस्वच्छता और भीड़भाड़ के कारण टीबी, एचआईवी और हेपेटाइटिस जैसी संक्रामक बीमारियां तेजी से फैलती हैं। वर्ष 2024 के पहले नौ महीनों में भारत में न्यायिक हिरासत में 1,558 मौतें दर्ज की गईं,यह आंकड़ा केवल संख्या नहीं, बल्कि एक गंभीर मानवीय संकट का संकेत है।इन मौतों के पीछे मुख्य कारण हैं,बीमारियां, आत्महत्याएं और चिकित्सा सुविधाओं की बहुत हद तक कमी।

साथियों बात अगर हम छत्तीसगढ़ का मामलाः एक राज्य, कई सवाल इसको समझने की करें तो छत्तीसगढ़ की जेलों में पिछले चार वर्षों में 285 कैदियों की मौत का मामला पूरे देश को झकझोर देने वाला है। इनमें से 90 मौतें केवल 2022 में हुईं और 66 मौतें जनवरी 2025 से जनवरी 2026 के बीच दर्ज की गईं। राज्य सरकार ने इन मौतों के पीछे आत्महत्या और गंभीर बीमारियों को कारण बताया है।इस मामले में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने स्वतः संज्ञान लेते हुए राज्य सरकार से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। आयोग ने जेलों में भीड़भाड़, डॉक्टरों की कमी और प्रशासनिक लापरवाही को संभावित कारण बताया है। यदि ये आरोप सही पाए जाते हैं,तो यह मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन माना जाएगा।

साथियों बात अगर हम न्यायपालिका की सक्रियताः सुधार की दिशा में कदम को समझने की करें तो हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को जेलों की स्थिति पर ताजा आंकड़े प्रस्तुत करने का निर्देश 26 मई 2026 तक सबमिट करने को दिया है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने जेलों कीक्षमता भीड़भाड़ और महिला कैदियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं का विस्तृत विवरण मांगा है।यह कदम दर्शाता है कि न्यायपालिका इस मुद्दे को गंभीरता से ले रही है। विशेष रूप से महिला कैदियों और उनके साथ रहने वाले बच्चों की स्थिति पर ध्यान देना एक सकारात्मक पहल है, क्योंकि यह वर्ग अक्सर नीति निर्माण में उपेक्षित रह जाता है।

साथियों बात अगर हम मानसिक स्वास्थ्य और आत्महत्याएंः अदृश्य संकट इसको समझने की करें तो जेलों में मानसिक स्वास्थ्य एक बड़ा लेकिन अनदेखा मुद्दा है। भीड़भाड़, पारिवारिक दूरी, सामाजिक कलंक और अनिश्चित भविष्य कैदियों को मानसिक रूप से कमजोर बना देता है। यही कारण है कि जेलों में आत्महत्या के मामले लगातार बढ़ रहे हैं।ग्लोबल प्रिजन ट्रेंड्स 2025 रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया भर में जेलों के भीतर आत्महत्या और हिंसा के मामलों में वृद्धि हुई है। यह केवल एक देश की समस्या नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर जेल सुधार की आवश्यकता को दर्शाता है।

साथियों बात अगर हम संचार और मानवीय संपर्कः एक नई पहल इसको समझने की करें तो, कैदियों के मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए संचार के साधनों को बढ़ाना आवश्यक है। इसी दिशा में भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय द्वारा एक प्रस्ताव लाया गया है, जिसमें कैदियों को अपने परिवारजनों से मुफ्त वीडियो और ऑडियो कॉल के माध्यम से संवाद करने की अनुमति देने की बात कही गई है।यह पहल कैदियों को मानसिक रूप से मजबूत बनाए रखने और उनके सामाजिक संबंधों को बनाए रखने में मदद कर सकती है। आधुनिक तकनीक का उपयोग जेल सुधार के लिए एक प्रभावी माध्यम बन सकता है।

साथियों बात अगर हम सुधार की दिशा में आवश्यक कदम को समझने की करें तो जेल सुधार के लिए बहु आयामी दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। सबसे पहले, न्यायिक प्रक्रिया को तेज करना होगा ताकि विचाराधीन कैदियों की संख्या कम हो सके। इसके लिए फास्ट-ट्रैक कोर्ट, डिजिटल सुनवाई और वैकल्पिक विवाद समाधान तंत्र को बढ़ावा देना होगा।दूसरा, जेलों की क्षमता बढ़ाने और नए सुधार गृहों का निर्माण करना आवश्यक है। तीसरा, स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करना होगा,डॉक्टरों की भर्ती, नियमित स्वास्थ्य जांच और मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करना होगा।चौथा कैदियों के लिए कौशल विकास और शिक्षा कार्यक्रम शुरू करने होंगे ताकि वे समाज में पुनः स्थापित हो सकें।पांचवां, जेल प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी, जिसमें स्वतंत्र निगरानी तंत्र की स्थापना महत्वपूर्ण होगी।

साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्यः एक साझा चुनौती को समझने की करें तो जेलों की बदहाल स्थिति केवल भारत तक सीमित नहीं है। अमेरिका,ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका और फिलीपींस जैसे देशों में भी जेलों में भीड़भाड़, हिंसा और स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी जैसी समस्याएं मौजूद हैं।हालांकि, कुछ देशों ने सुधार के लिए प्रभावी कदम उठाए हैं। उदाहरण के लिए, नॉर्वे की जेल व्यवस्था को दुनिया में सबसे मानवीय माना जाता है, जहां कैदियों को पुनर्वास और कौशल विकास पर विशेष ध्यान दिया जाता है। यह मॉडल अन्य देशों के लिए प्रेरणा बन सकता है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क्रि न्याय का असली अर्थ,जेलें किसी भी सभ्य समाज का दर्पण होती हैं। यदि जेलों में मानवाधिकारों का उल्लंघन हो रहा है, तो यह पूरे समाज की विफलता का संकेत है। सजा का उद्देश्य प्रतिशोध नहीं, बल्कि सुधार और पुनर्वास होना चाहिए।"सलाखों के पीछे भी सेफ नहीं? यह प्रश्न हमें आत्ममंथन करने के लिए मजबूर करता है। क्या हम एक ऐसे समाज का निर्माण कर रहे हैं जहां न्याय केवल कागजों तक सीमित है, या हम वास्तव में एक मानवीय और न्यायपूर्ण व्यवस्था की ओर बढ़ रहे हैं?समय आ गया है कि जेल सुधार को प्राथमिकता दी जाए,क्योंकि न्याय केवल अदालतों में नहीं, बल्कि जेलों की दीवारों केभीतर भी सुनिश्चित होना चाहिए।

-संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी)

दो टूक- वैश्विक संकट के बीच मानवता की अंतिम सुरक्षा-रेखा है ऊर्जा संरक्षण

योगेश कुमार गोयल

आज जब विश्व एक बार फिर भू-राजनीतिक तनावों के दौर से गुजर रहा है और ईरान, अमेरिका तथा इजरायल के बीच टकराव ने वैश्विक ऊर्जा बाजार को अस्थिर कर दिया है, तब ऊर्जा केवल विकास का साधन नहीं बल्कि अस्तित्व का प्रश्न बन चुकी है। तेल और गैस के दामों में उतार-चढ़ाव, आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान और ऊर्जा स्रोतों पर बढ़ती निर्भरता ने पूरी दुनिया को यह सोचने पर विवश कर दिया है कि क्या आधुनिक सभ्यता ने अपनी बुनियाद अत्यधिक अस्थिर संसाधनों पर खड़ी कर दी है। इस परिप्रेक्ष्य में ऊर्जा संरक्षण केवल एक विकल्प नहीं बल्कि मानवता की सुरक्षा का सबसे सरल, सस्ता और प्रभावी उपाय बनकर उभर रहा है। ऊर्जा आधुनिक जीवन का अभिन्न अंग है, चाहे वह उद्योगों की मशीनें हों, परिवहन के साधन हों, डिजिटल अर्थव्यवस्था हो या घरेलू जीवन की सुविधाएं किंतु विडंबना यह है कि जिस ऊर्जा पर हमारी प्रगति आधारित है, वही अब संकट का कारण बनती जा रही है।

संयुक्त राष्ट्र की 'एनर्जी प्रोग्रेस रिपोर्ट 2024' के अनुसार आने वाले दशक में वैश्विक ऊर्जा मांग में लगभग 25 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान है जबकि जीवाश्म ईंधनों के भंडार तेजी से सीमित होते जा रहे हैं। ऐसे में यदि ऊर्जा संरक्षण और दक्षता को प्राथमिकता नहीं दी गई तो भविष्य में ऊर्जा संकट केवल आर्थिक चुनौती नहीं रहेगा बल्कि सामाजिक अस्थिरता और वैश्विक संघर्षों का कारण भी बन सकता है। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य इस खतरे को और स्पष्ट करता है। पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव ने तेल आपूर्ति पर अनिश्चितता बढ़ा दी है, जिससे अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें अस्थिर हो रही हैं। भारत जैसे ऊर्जा आयात पर निर्भर देशों के लिए यह स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है। दरअसल भारत अपनी कुल तेल आवश्यकता का लगभग 85 प्रतिशत आयात करता है। ऐसे में वैश्विक संकट का सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था, महंगाई और आम नागरिक के जीवन पर पड़ता है। पैट्रोल-डीजल की कीमतों में वृद्धि केवल परिवहन लागत को नहीं बढ़ाती बल्कि खाद्य पदार्थों से लेकर निर्माण सामग्री तक हर क्षेत्र में महंगाई को जन्म देती है। इस परिप्रेक्ष्य में ऊर्जा संरक्षण राष्ट्रीय आर्थिक सुरक्षा का भी एक महत्वपूर्ण आधार बन जाता है।

भारत तेजी से विकसित हो रही अर्थव्यवस्था है और यहां ऊर्जा की मांग निरंतर बढ़ रही है। इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी की 'इंडिया एनर्जी आउटलुक 2024' रिपोर्ट के अनुसार, 2030 तक भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी ऊर्जा उपभोक्ता अर्थव्यवस्था बन जाएगा। ऐसे में यदि ऊर्जा खपत को संतुलित नहीं किया गया तो विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाए रखना कठिन हो जाएगा। यही कारण है कि भारत ने ऊर्जा दक्षता और संरक्षण को अपनी नीति का केंद्रीय तत्व बनाया है। ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा लागू ऊर्जा संरक्षण अधिनियम और 'उजाला' जैसे कार्यक्रमों ने यह साबित किया है कि छोटे-छोटे प्रयास भी बड़े परिणाम दे सकते हैं। 36 करोड़ से अधिक एलईडी बल्बों का वितरण और उससे हुई 48 बिलियन यूनिट बिजली की बचत इस बात का प्रमाण है कि यदि नीति और जनभागीदारी साथ आएं तो ऊर्जा संरक्षण एक जनांदोलन बन सकता है।

ऊर्जा संरक्षण का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह किसी नई तकनीक या बड़े निवेश पर निर्भर नहीं है बल्कि यह हमारे दैनिक व्यवहार में छोटे-छोटे बदलावों से ही संभव है। उदाहरण के लिए, अनावश्यक रूप से जलती लाइटों को बंद करना, ऊर्जा-कुशल उपकरणों का उपयोग करना, एयर कंडीशनर का सीमित प्रयोग, सार्वजनिक परिवहन को अपनाना और सौर ऊर्जा जैसे विकल्पों को बढ़ावा देना, ये सभी कदम न केवल ऊर्जा बचाते हैं बल्कि पर्यावरण को भी सुरक्षित रखते हैं। यदि भारत का प्रत्येक परिवार प्रतिदिन केवल एक यूनिट बिजली की बचत करे तो यह देश के लिए ऊर्जा क्रांति के समान होगा। ऊर्जा संरक्षण का संबंध केवल बिजली तक सीमित नहीं है बल्कि यह जल, पर्यावरण और स्वास्थ्य से भी गहराई से जुड़ा हुआ है। ऊर्जा उत्पादन में जल का व्यापक उपयोग होता है और जल की बर्बादी सीधे ऊर्जा की बर्बादी में बदल जाती है। इसी प्रकार, ऊर्जा के अत्यधिक उपयोग से कार्बन उत्सर्जन बढ़ता है, जो जलवायु परिवर्तन और वैश्विक तापमान वृद्धि का मुख्य कारण है। आज जब दुनिया 1.5 डिग्री सेल्सियस के लक्ष्य को बचाने के लिए संघर्ष कर रही है, तब ऊर्जा संरक्षण इस दिशा में सबसे प्रभावी हथियार साबित हो सकता है। अक्षय ऊर्जा इस संकट का दीर्घकालिक समाधान प्रस्तुत करती है लेकिन इसकी सफलता भी ऊर्जा संरक्षण पर ही निर्भर करती है। सौर, पवन और जैव ऊर्जा जैसे स्रोतों का विस्तार तभी प्रभावी होगा, जब ऊर्जा की कुल मांग को नियंत्रित किया जाए। भारत ने 2030 तक 500 गीगावॉट अक्षय ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य निर्धारित किया है, जो न केवल ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम है बल्कि वैश्विक जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा। ग्रीन हाइड्रोजन मिशन और स्मार्ट ग्रिड जैसी तकनीकें इस दिशा में नई संभावनाएं खोल रही हैं लेकिन इन सबका मूल आधार ऊर्जा का विवेकपूर्ण उपयोग ही है। शहरीकरण के बढ़ते दबाव ने भी ऊर्जा खपत को तेजी से बढ़ाया है। महानगरों में ऊंची इमारतें, एयर कंडीशनिंग सिस्टम और बढ़ती वाहन संख्या ऊर्जा की मांग को कई गुना बढ़ा देती है। ऐसे में हरित भवन निर्माण, सौर पैनलों का उपयोग और सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देना आवश्यक हो जाता है। यदि भवन निर्माण में ऊर्जा दक्षता को प्राथमिकता दी जाए तो बिजली की खपत में 30 से 40 प्रतिशत तक कमी लाई जा सकती है। यह न केवल पर्यावरण के लिए लाभकारी होगा बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा।

ऊर्जा संरक्षण का एक महत्वपूर्ण आयाम औद्योगिक क्षेत्र भी है। उद्योगों में ऊर्जा दक्षता बढ़ाने से उत्पादन लागत में कमी आती है और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि ऊर्जा संरक्षण को केवल सरकारी नीति या अभियान के रूप में न देखा जाए बल्कि इसे एक सामाजिक संस्कृति के रूप में विकसित किया जाए। विद्यालयों में ऊर्जा शिक्षा को अनिवार्य बनाया जाए, मीडिया के माध्यम से जनजागरूकता बढ़ाई जाए और प्रत्येक नागरिक को यह समझाया जाए कि ऊर्जा की बचत केवल व्यक्तिगत लाभ नहीं बल्कि राष्ट्रीय कर्तव्य है। जब तक ऊर्जा संरक्षण हमारी आदत नहीं बनेगा, तब तक किसी भी नीति या तकनीक का पूर्ण लाभ नहीं मिल सकेगा। वैश्विक ऊर्जा संकट के इस दौर में भारत के पास एक अवसर भी है, एक ऐसे मॉडल के रूप में उभरने का, जो विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन स्थापित कर सके। यदि भारत ऊर्जा संरक्षण, अक्षय ऊर्जा और तकनीकी नवाचार के समन्वय से आगे बढ़ता है तो वह न केवल अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा कर सकता है बल्कि विश्व के लिए एक प्रेरणा भी बन सकता है। यह समझना आवश्यक है कि ऊर्जा का संकट केवल संसाधनों का संकट नहीं है बल्कि यह हमारी सोच और व्यवहार का संकट भी है। यदि हम ऊर्जा को अनमोल संसाधन मानकर उसका विवेकपूर्ण उपयोग करना सीख लें तो न केवल वर्तमान संकट से उबर सकते हैं बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित और समृद्ध दुनिया भी सुनिश्चित कर सकते हैं। ऊर्जा संरक्षण कोई जटिल विज्ञान नहीं बल्कि एक सरल जीवनशैली है और यही जीवनशैली आज धरती को बचाने की सबसे प्रभावी चाबी बन चुकी है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार, पर्यावरण मामलों के जानकार और पर्यावरण पर चर्चित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' के लेखक हैं)

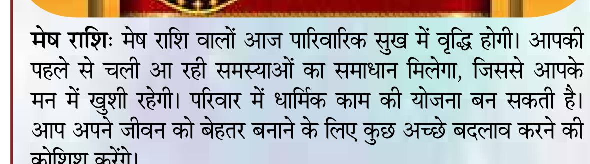

मेष राशिः मेष राशि वालों आज पारिवारिक सुख में वृद्धि होगी। आपकी पहले से चली आ रही समस्याओं का समाधान मिलेगा, जिससे आपके मन में खुशी रहेगी। परिवार में धार्मिक काम की योजना बन सकती है। आप अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए कुछ अच्छे बदलाव करने की कोशिश करेंगे।

वृष राशिः वृष राशि वालों आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। कुछ दिनों से चल रही घरेलू समस्याएं आज खत्म होंगी। राजनीति व सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए दिन फेवरेबल रहेगा। महिलाओं के लिए दिन शानदार रहेगा। बिजनेस मैन आज जरूरी मीटिंग अटेंड कर सकते हैं। आज किसी से लिया हुआ उधार खत्म होगा, आप राहत महसूस करेंगे।

मिथुन राशिः मिथुन राशि वालों आज का दिन करियर में नया बदलाव लाएगा। आज नवरात्र के सातवें दिन मां कालरात्रि आपके परिवार में सुख शांति बनाए रखेगी। आज बिजनेस के क्षेत्र में आपको बड़ा धन लाभ होगा।

कर्क राशिः कर्क राशि वालों आज आपका दिन बेहतर है। अगर किसी बिजनेस ट्रिप के लिए आप बाहर जा रहे हैं, तो घर के बड़े बुजुर्ग का आशीर्वाद लेकर जाएं। आपका काम सफल होगा। आज आपके जीवनसाथी को तरक्की का अच्छा अवसर मिलेगा। कोरियर का बिजनेस कर रहे कारोबारियों को आज फायदा होगा। आज अपनी सेहत का खास ख्याल रखें।

सिंह राशिः सिंह राशि वालों आज आपका दिन खास रहने वाला है। आपका ध्यान काम को पूरा करने में लगा रह सकता है। ऑफिस में किसी काम को लेकर थोड़ा विचार विमर्श करना पड़ सकता है, शत्रुपक्ष आपकी योजनाओं से ज्यादा प्रभावित हो सकते हैं। इस राशि के जो लोग अपना बिजनेस करते हैं, उन्हें मुनाफा मिलने की संभावना है।

कन्या राशिः कन्या राशि वालों के लिए आज का दिन मिला जुला रहने वाला है। आप परिवार वालों के साथ क्वालिटी टाइम स्पेंड करेंगे, इससे आपके रिश्ते बेहतर होंगे। दोस्तों के साथ घर पर ही मूवी देखने का प्लान कर सकते हैं। आपकी मुलाकात किसी ऐसे व्यक्ति से होगी, जिससे आपको भविष्य में फायदा हो सकता है। किसी खास काम में आपको सफलता मिलेगी साथ ही आपके मन में नए नए विचार आ सकते हैं। माता को लौंग अर्पित करें, पदोन्नति के अवसर प्राप्त होंगे।

तुला राशिः तुला राशि वालों आज आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। एकाग्र मन से किया गया काम लाभदायक साबित होगा। लवमेट के लिए आज का दिन बढ़िया है। साथ ही किसी अच्छे रेस्टोरेंट में लंच करने जा सकते हैं। किसी जिम्मेदारी को अनदेखा करने से आपको बचना चाहिए। आपकी सेहत ठीक ठाक रहेगी। आप कम समय में काम निपटाने की कोशिश करेंगे और अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाएंगे। दुर्गा जी को फल अर्पित करें, आपको अपनी मेहनत का फल जरूर मिलेगा।

वृश्चिक राशिः वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आज आप किसी बात को लेकर उलझन में रहेंगे, जिसे आप अपने किसी खास मित्र से शेयर करेंगे तो आपको राहत मिलेगी। परिवार वालों के साथ बाहर मूवी का प्लान बन सकता है। दोस्तों की बर्थडे पार्टी में जाएंगे, जहां बाकी दोस्तों के साथ इंजॉय करने का मौका मिलेगा। आज आप नई स्किल सीख सकते हैं जिसका लाभ आपको भविष्य में जरूर मिलेगा। दोस्तों की मदद से आपकी इच्छा पूरी होगी। मां दुर्गा को मिश्री का भोग लगाएं, घर में शांति का माहौल रहेगा।

धनु राशिः मकर राशि वालों आज का दिन आपके लिए ठीक रहने वाला है। आपका अच्छा व्यवहार समाज में अलग पहचान बनाने में मदद करेगा। घर पर डेकोरेशन का काम भी करवा सकते हैं। कांट्रेक्टर के लिए आज का दिन धन लाभ देने वाला है। आज अपने डेली रूटीन में आप कुछ बदलाव कर सकते हैं। किसी काम को करने का नया तरीका बिजनेस में फायदा कराएगा।

मकर राशिः मकर राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। अपने बिजनेस को बढ़ाने के लिए आपको नए अवसर मिलेंगे। किसी को उधार दिया हुआ पैसा आज आपको अचानक वापस मिल सकता है। व्यापार में किसी व्यक्ति से फायदा मिलने की उम्मीद बढ़ेगी। आपका उत्साह भी बढ़ेगा। भाई बहनों से आपको पूरा सहयोग मिलेगा।

कुंभ राशिः कुंभ राशि वालों आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। इस राशि के स्टूडेंट्स का दिन राहत भरा होगा, नया शेड्यूल बनाने का विचार कर सकते हैं। आज ऑफिस में फोन का इस्तेमाल कम से कम करेंगे और अपने काम पर पूरा फोकस करेंगे। पैसों के मामलों में लोगों पर जरूरत से ज्यादा भरोसा करने से बचना चाहिए।

मीन राशिः मीन राशि वालों आज आपको अचानक नए स्रोतों से धन मिलेगा, जो आपके दिन को खुशनुमा बना देगा। सामाजिक कामों में आपकी रुचि बढ़ सकती है। आपको जीवनसाथी से काम में पूरा सहयोग मिलेगा। व्यापार में साझेदारी से आपको लाभ हो सकता है। आप चीजों को बेहतर ढंग से समझने की कोशिश करेंगे। परिवार में सदस्यों के साथ रिश्तों में सुधार होगा।

युद्ध के बाद की अदृश्य तबाही

सर्वेश तिवारी

मध्य पूर्व में चल रहा मौजूदा युद्ध अब केवल सीमाओं का विवाद नहीं रह गया है, बल्कि यह तेजी से एक ऐसे संकट में बदल रहा है जिसे अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं खुलकर "पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी" और पर्यावरणीय आपदा" कहने लगी हैं। हाल के दिनों में वर्ल्ड हेल्थ आर्गेनाइजेशन (डब्लूएचओ) ने साफ चेतावनी दी है कि इस क्षेत्र में "रियल टाइम हेल्थ क्राइसिस " विकसित हो रहा है। यानी स्थिति हर दिन और खराब हो रही है, और इसका असर तुरंत दिखाई दे रहा है, न कि वर्षों बाद। ताज़ा रिपोर्टों के अनुसार गाज़ा और आसपास के इलाकों में स्वास्थ्य व्यवस्था लगभग टूट चुकी है। डब्लूएचओ के मुताबिक 2026 की शुरुआत तक कई अस्पताल या तो पूरी तरह नष्ट हो चुके हैं या आंशिक रूप से काम कर रहे हैं। वहां के कुछ इलाकों में 50 प्रतिशत से अधिक स्वास्थ्य सुविधाएं बंद हो चुकी हैं। इसका सीधा असर यह है कि सामान्य बीमारियां जैसे डायरिया, संक्रमण या सांस की दिक्कत भी अब जानलेवा बन रही हैं क्योंकि इलाज उपलब्ध नहीं है।

पानी की स्थिति और भी चिंताजनक है। संयुक्त राष्ट्र और डब्लूएचओ से जुड़ी हालिया चेतावनियों के अनुसार गाज़ा में 90 प्रतिशत से अधिक पीने का पानी असुरक्षित हो चुका है। कई जगहों पर लोग प्रतिदिन प्रति व्यक्ति 2-5 लीटर पानी पर जीने को मजबूर हैं, जबकि न्यूनतम मानक 15 लीटर माना जाता है। पानी की इस कमी और प्रदूषण के कारण हैजा और अन्य जलजनित बीमारियों का खतरा तेजी से बढ़ रहा है।

विशेषज्ञों का कहना है कि अगर साफ पानी और स्वच्छता की व्यवस्था तुरंत बहाल नहीं हुई, तो बड़े पैमाने पर बीमारी फैल सकती है। हवा और पर्यावरण को लेकर भी गंभीर चेतावनियां सामने आई हैं। हाल में प्रकाशित विश्लेषणों के अनुसार इस युद्ध से अब तक लाखों टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन हो चुका है। कुछ अध्ययनों में अनुमान है कि केवल शुरुआती महीनों में ही 30 मिलियन टन से अधिक सीओटू उत्सर्जन हुआ जो कई छोटे देशों के पूरे साल के उत्सर्जन के बराबर है। यह केवल जलवायु परिवर्तन के लिए खतरा नहीं है, बल्कि स्थानीय स्तर पर भी हवा की गुणवत्ता को बेहद खराब बना रहा है। न्यूयॉर्क टाइम्स और वॉशिंगटन पोस्ट जैसे अखबारों में छपी हालिया रिपोर्ट्स में इस बात पर जोर दिया गया है कि आधुनिक युद्ध अब "एनवायर्नमेंटल वारफेयर" जैसा रूप ले चुका है, जहां बुनियादी ढांचे के साथ-साथ प्रकृति भी निशाना बनती है। इन रिपोर्टस में यह भी बताया गया है कि बमबारी से निकलने वाली धूल, सीमेंट, धातु और रसायनों के कण लंबे समय तक हवा में रहते हैं और लोगों के फेफड़ों में जाकर गंभीर बीमारियां पैदा करते हैं।

डब्लूएचओ की एक और ताज़ा चेतावनी मानसिक स्वास्थ्य को लेकर है। युद्धग्रस्त क्षेत्रों में रहने वाले लोगों में भारी मानसिक दबाव देखा जा रहा है। कुछ आकलनों के अनुसार गाज़ा में 60 फीसदी से अधिक आबादी किसी न किसी मानसिक तनाव या आघात से गुजर रही है। बच्चों में यह समस्या और भी गंभीर है, क्योंकि वे लगातार डर, विस्थापन और असुरक्षा के माहौल में जी रहे हैं। अब सबसे बड़ा सवाल जो पूरी दुनिया में उठ रहा है, वह यह है कि क्या यह स्थिति कोविड जैसी महामारी बन सकती है। विशेषज्ञों और डब्लूएचओ के आकलन के आधार पर यह कहा जा सकता है कि यह कोविड जैसा वैश्विक वायरस नहीं बनेगा, क्योंकि यहां कोई एक नया संक्रामक वायरस नहीं फैल रहा है। लेकिन इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि खतरा कम है। असल में, डब्लूएचओ और अन्य एजेंसियां जिस चीज़ की चेतावनी दे रही हैं, वह है "मल्टीप्ल डिजीज ऑउटब्रेक"। यानी एक साथ कई बीमारियों का फैलना। गंदा पानी, खराब पोषण, भीड़भाड़ वाले शिविर, टूटी स्वास्थ्य व्यवस्था। ये सब मिलकर ऐसे हालात पैदा करते हैं जहां डायरिया, निमोनिया, त्वचा संक्रमण और यहां तक कि पुरानी बीमारियां भी तेजी से फैल सकती हैं।

कोविड में एक वायरस था, जिससे लड़ने के लिए वैक्सीन और दवाएं विकसित की जा सकती थीं। लेकिन यहां समस्या कहीं ज्यादा जटिल है। यहां हर समस्या दूसरी समस्या को बढ़ा रही है। अगर पानी गंदा है तो बीमारी बढ़ेगी, अगर अस्पताल नहीं हैं तो मौतें बढ़ेगी, और अगर लोग कुपोषित हैं तो उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होगी। इसलिए इसे एक "काम्प्लेक्स हुमानिटरियन क्राइसिस" कहा जा रहा है। इसका असर केवल मध्य पूर्व तक सीमित नहीं रहेगा। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट्स में यह चेतावनी दी गई है कि अगर यह संकट लंबा खिंचता है, तो बड़े पैमाने पर पलायन हो सकता है। लाखों लोग अपने घर छोड़कर दूसरे देशों की ओर जा सकते हैं, जिससे यूरोप और एशिया के कई देशों पर दबाव बढ़ेगा। इसके अलावा, ऊर्जा बाजार पर भी असर पड़ रहा है, क्योंकि मध्य पूर्व वैश्विक तेल आपूर्ति का एक बड़ा स्रोत है। दुनिया की तैयारी को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। कोविड के बाद यह माना जा रहा था कि वैश्विक स्वास्थ्य प्रणाली मजबूत हुई है, लेकिन इस युद्ध ने दिखाया है कि संघर्ष की स्थिति में ये व्यवस्थाएं कितनी जल्दी टूट सकती हैं। डब्लूएचओ और अन्य एजेंसियां लगातार मदद पहुंचाने की कोशिश कर रही हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर सुरक्षा की कमी और लगातार हमलों के कारण राहत कार्य सीमित हो जाते हैं। अब सवाल यह है कि क्या किया जाना चाहिए। सबसे पहली और जरूरी बात है युद्धविराम, क्योंकि बिना इसके कोई भी समाधान टिकाऊ नहीं हो सकता। इसके साथ ही पानी और स्वच्छता की व्यवस्था बहाल करना, अस्पतालों को सुरक्षित रखना और जरूरी दवाइयों की आपूर्ति सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है।

लंबी अवधि में पर्यावरण की सफाई और पुनर्निर्माण पर ध्यान देना होगा। मलबे में मौजूद जहरीले पदार्थों को हटाना, जल स्रोतों को शुद्ध करना और प्रदूषण को कम करना जरूरी है। इसके अलावा, मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को भी प्राथमिकता देनी होगी, क्योंकि यह संकट केवल शरीर नहीं बल्कि मन को भी प्रभावित कर रहा है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

आईपीएल 2026 का आगाज आज से, पहले मैच में आरसीबी और एसआरएच होंगें आमने-सामने

एजेंसी, नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 का बहुप्रतीक्षित आगाज शनिवार, 28 मार्च से होने जा रहा है। इस सीजन का पहला मुकाबला डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेला जाएगा। यह मुकाबला बेंगलुरु के प्रतिष्ठित एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में आयोजित होगा, जहां फैंस को एक रोमांचक शुरुआत की उम्मीद है।

हालांकि इस बार आईपीएल के उद्घाटन समारोह में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। आमतौर पर टूर्नामेंट की शुरुआत भव्य ओपनिंग सेरेमनी के साथ होती है, जिसमें कई बड़े सितारे शामिल होते हैं, लेकिन इस बार भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने ओपनिंग सेरेमनी आयोजित नहीं करने का फैसला किया है। इसके पीछे एक संवेदनशील कारण बताया जा रहा है। पिछले सीजन में आरसीबी की जीत के बाद आयोजित विक्ट्री परेड के दौरान भगदड़ मच गई थी, जिसमें कई फैंस की जान चली गई थी। इसी दुखद घटना को ध्यान में रखते हुए बीसीसीआई ने इस बार सादगी के साथ टूर्नामेंट की शुरुआत करने का निर्णय लिया है, ताकि दिवंगत प्रशंसकों को श्रद्धांजलि दी जा सके। मैच के समय की बात करें तो आरसीबी और एसआरएच के बीच यह मुकाबला भारतीय समयानुसार शाम 7:30 बजे से शुरू होगा। वहीं, टॉस के लिए दोनों टीमों के कप्तान शाम 7 बजे मैदान पर उतरेंगे। इस हाई-वोल्टेज मुकाबले को लेकर फैंस में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है, खासकर इसलिए क्योंकि यह सीजन की शुरुआत का मैच है। प्रसारण की बात करें तो इस मुकाबले का सीधा प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर विभिन्न भाषाओं में किया जाएगा, जिससे देशभर के दर्शक अपनी पसंदीदा भाषा में मैच का आनंद ले सकेंगे। वहीं, डिजिटल प्लेटफॉर्म पर इस मैच की लाइव स्ट्रीमिंग जियोहॉटस्टार ऐप और वेबसाइट पर उपलब्ध रहेगी। इसके अलावा, दर्शक लाइव स्कोर और अपडेट्स के लिए विभिन्न क्रिकेट वेबसाइट्स और ऐप्स का सहारा ले सकते हैं। आईपीएल 2026 का यह पहला मुकाबला न सिर्फ टूर्नामेंट की दिशा तय करेगा, बल्कि दोनों टीमों के इरादों का भी संकेत देगा। जहां आरसीबी अपनी खिताबी लय को बरकरार रखना चाहेगी, वहीं सनराइजर्स हैदराबाद जीत के साथ नई शुरुआत करने के इरादे से मैदान में उतरेगी। ऐसे में यह मुकाबला फैंस के लिए रोमांच से भरपूर होने की पूरी उम्मीद है।

ओलंपिक में ट्रांसजेंडर महिलाओं की एंट्री पर रोक, आईओसी ने बदली नीति

एजेंसी, नई दिल्ली

इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी (आईओसी) ने ट्रांसजेंडर एथलीटों को लेकर एक बड़ा और अहम फैसला लिया है। नई नीति के तहत 2028 में होने वाले लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 और भविष्य के सभी ओलंपिक खेलों में ट्रांसजेंडर महिलाएं महिला कैटेगरी के इवेंट्स में हिस्सा नहीं ले सकेंगी। इस निर्णय का उद्देश्य महिलाओं के खेलों में निष्पक्षता और सुरक्षा सुनिश्चित करना बताया गया है। आईओसी की नई गाइडलाइन के अनुसार, अब केवल बायोलॉजिकल महिलाओं, यानी जन्म से महिला खिलाड़ियों को ही महिला वर्ग में भाग लेने की अनुमति दी जाएगी। इसके लिए खिलाड़ियों को जीन टेस्ट से गुजरना होगा, जिसमें थूक, ब्लड सैंपल या गाल के जरिए सैंपल लिया जा सकता है। हालांकि, जो एथलीट जन्म के समय महिला थे और बाद में खुद को ट्रांसजेंडर के रूप में पहचानते हैं, उन्हें महिला स्पर्धाओं में भाग लेने की छूट दी गई है। आईओसी की अध्यक्ष क्रिस्टी कोवेंट्री ने इस फैसले को विज्ञान और चिकित्सा सलाह पर आधारित बताया है। उन्होंने कहा कि ओलंपिक जैसे उच्चस्तरीय प्रतियोगिताओं में जीत और हार के बीच बहुत कम अंतर होता है, ऐसे में प्रतिस्पर्धा का निष्पक्ष होना बेहद जरूरी है। उनके मुताबिक, बायोलॉजिकल पुरुषों का महिला वर्ग में मुकाबला करना न केवल अनुचित है, बल्कि कुछ खेलों में सुरक्षा के लिहाज से भी जोखिम भरा हो सकता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि हर एथलीट के साथ सम्मानजनक व्यवहार किया जाएगा और इस प्रक्रिया के तहत खिलाड़ियों को अपने करियर में केवल एक बार स्क्रीनिंग करवानी होगी। आईओसी का यह कदम सभी खेलों के लिए एक समान नियम लागू करने की दिशा में उठाया गया है, ताकि अलग-अलग खेल संघों द्वारा अलग-अलग मानदंड तय करने की स्थिति समाप्त हो सके। गौरतलब है कि इससे पहले आईओसी ट्रांसजेंडर महिलाओं को टेस्टोस्टेरोन स्तर के आधार पर प्रतिस्पर्धा में भाग लेने की अनुमति देता था या यह निर्णय संबंधित खेल संघों पर छोड़ दिया जाता था।

15 के हुए वैभव सूर्यवंशी, धमाकेदार प्रदर्शन से सुर्खियों में

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट के उभरते सितारे वैभव सूर्यवंशी 27 मार्च को 15 साल के हो गए हैं और इसके साथ ही उनके लिए सीनियर क्रिकेट में आगे बढ़ने का रास्ता और साफ हो गया है। बिहार के समस्तीपुर जिले से ताल्लुक रखने वाले वैभव ने बेहद कम उम्र में ही अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा लिया था। उन्होंने महज 12 साल की उम्र में रणजी ट्रॉफी में डेब्यू कर सबको चौंका दिया था और घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के दम पर तेजी से पहचान बनाई। उनकी काबिलियत को देखते हुए आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें अपनी टीम में शामिल किया। अपने पहले ही आईपीएल सीजन में वैभव ने धमाकेदार प्रदर्शन कर सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। खास तौर पर गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेले गए मैच में उन्होंने सिर्फ 35 गेंदों में शतक जड़कर क्रिकेट जगत को हैरान कर दिया और 'वंडर बॉय' के रूप में अपनी पहचान मजबूत कर ली। हालांकि इसी सीजन का एक और पहलू भी काफी चर्चा में रहा, जिसमें उनके प्रदर्शन ने एक अन्य खिलाड़ी के करियर पर गहरा असर डाला। गुजरात टाइटंस ने आईपीएल 2025 में अफगानिस्तान के ऑलराउंडर करीम जनत को 75 लाख रुपये के बेस प्राइस पर खरीदा था। राजस्थान के खिलाफ मैच में उन्हें डेब्यू का मौका मिला, लेकिन यह मैच उनके लिए बेहद मुश्किल साबित हुआ। उस मुकाबले में वैभव सूर्यवंशी के सामने गेंदबाजी करते हुए करीम जनत पूरी तरह दबाव में नजर आए। वैभव ने उनके एक ही ओवर में 3 छक्के और 3 चौके लगाते हुए कुल 30 रन बटोर लिए।

आईपीएल 2026 से पहले राहतः पैट कमिंस की वापसी की तैयारी, एसआरएच को मिला बड़ा अपडेट

एजेंसी, नई दिल्ली

सनराईज हैदराबाद के लिए इंडियन प्रीमियर लीग 2026 से पहले राहत भरी खबर सामने आई है। टीम के नियमित कप्तान पैंट कमिंस, जो लंबे समय से बैक इंजरी से जूझ रहे थे, अब धीरे-धीरे फिटनेस की ओर लौट रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए अपनी वापसी के संकेत देते हुए बताया कि मैदान पर लौटना उन्हें अच्छा लग रहा है। कमिंस ने हाल ही में एक पॉडकास्ट में भी अपनी रिकवरी को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि वह अब नेट्स में गेंदबाजी शुरू कर चुके हैं और तय रिहैब प्लान के अनुसार धीरे-धीरे अपना वर्कलोड बढ़ा रहे हैं। हालांकि, उन्होंने साफ किया कि वह टूर्नामेंट के शुरुआती मुकाबलों में उपलब्ध नहीं रहेंगे, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि ज्यादा समय तक बाहर नहीं रहना पड़ेगा। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज ने कहा कि वह फिलहाल हर तीसरे दिन गेंदबाजी कर रहे हैं और टीम मैनेजमेंट के साथ मिलकर ऐसा प्लान तैयार किया गया है, जिससे वह टूर्नामेंट के दूसरे हिस्से तक पूरी तरह फिट हो सकें। उनका लक्ष्य है कि लीग के अंतिम चरण और संभावित प्लेऑफ मुकाबलों में टीम के लिए उपलब्ध रहें। गौरतलब है कि कमिंस को यह चोट पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दौरान लगी थी, जिसके कारण वह टी20 वर्ल्ड कप में भी हिस्सा नहीं ले पाए थे।

आकाश चोपड़ा की भविष्यवाणी, ऑरेंज कैप की रेस में जायसवाल-गिल आगे

एजेंसी, नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के 19वें सीजन के आगाज के साथ ही एक बार फिर बल्लेबाजों और गेंदबाजों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिलेगी। इस सीजन में जहां युवा खिलाड़ियों से बड़े प्रदर्शन की उम्मीद है, वहीं अनुभवी खिलाड़ियों पर भी अपनी प्रतिष्ठा बनाए रखने का दबाव रहेगा। टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने ऑरेंज कैप और पर्पल कैप के संभावित दावेदारों को लेकर अपनी भविष्यवाणी साझा की है। आकाश चोपड़ा ने अपने विश्लेषण में ऑरेंज कैप के लिए भारतीय बल्लेबाजों पर भरोसा जताया है। उन्होंने यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल को इस सीजन सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों में सबसे आगे माना है। दोनों बल्लेबाज पहले भी शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं और ऑरेंज कैप जीतने का अनुभव रखते हैं। चोपड़ा का मानना है कि टी20 क्रिकेट में आमतौर पर सलामी बल्लेबाजों को ज्यादा मौके मिलते हैं, इसलिए इन दोनों खिलाड़ियों की दावेदारी मजबूत है। उन्होंने खास तौर पर यशस्वी जायसवाल को लेकर कहा कि यह उनके लिए 'ब्रेकआउट सीजन' साबित हो सकता है। पिछले कुछ समय में जायसवाल ने जिस तरह का प्रदर्शन किया है, वह उन्हें इस रेस में सबसे आगे खड़ा करता है। चोपड़ा ने यह भी कहा कि शुभमन गिल रन बनाने की भूख के साथ मैदान पर उतरेंगे, जिससे उनके बड़े स्कोर बनाने की संभावना और बढ़ जाती है।

बिजनेस

डब्ल्यूटीओ की विवाद निपटान प्रणाली को कार्यशील बनाने की जरूरतः पीयूष गोयल

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत ने विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के सदस्य देशों से विवाद निपटान प्रणाली को पूरी तरह से कार्यशील बनाने की दिशा में काम करने का आह्वान किया है। इसका कारण वर्तमान में यह व्यवस्था निष्क्रिय है, जिससे देशों को विवादों के प्रभावी निपटान से वंचित होना पड़ रहा है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में बताया कि वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में सुधारों को पारदर्शी, समावेशी और सदस्य-संचालित प्रक्रिया के माध्यम से लागू करने का आह्वान किया। उन्होंने अपने संबोधन में विकास को केंद्र में रखे जाने की बात कही। गोयल 26 मार्च से अफ्रीकी देश कैमरून के याउंडे में आयोजित विश्व व्यापार संगठन के 14वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। डब्ल्यूटीओ के 14वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (एमसी14) के पहले दिन गोयल ने कहा कि ई-कॉमर्स व्यापार पर सीमा शुल्क रोक को आगे बढ़ाने के संबंध में सावधानीपूर्वक पुनर्विचार करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, ''एक निष्क्रिय विवाद निपटान प्रणाली ने सदस्य देशों को विवादों के प्रभावी निपटान से वंचित कर दिया है। हमें स्वचालित और बाध्यकारी विवाद निपटान प्रणाली को बहाल करना होगा।'' डब्ल्यूटीओ की विवाद निपटान व्यवस्था 2009 से ठीक से काम नहीं कर रही है क्योंकि अमेरिका ने अपीलीय निकाय में सदस्य देशों की नियुक्तियों में बाधा डाली है। भारत ने सीमा शुल्क स्थगन के दायरे पर चर्चा करने की आवश्यकता पर बार-बार बल दिया है, क्योंकि इससे राजस्व पर प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा, ''इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन को लेकर सीमा शुल्क पर स्थगन के दायरे के मामले में सदस्यों के बीच आम सहमति के अभाव में और इसके संभावित महत्वपूर्ण प्रभावों को देखते हुए इस स्थगन के निरंतर विस्तार पर सावधानीपूर्वक पुनर्विचार की आवश्यकता है।'' विश्व व्यापार संगठन के सदस्य देशों ने 1998 से 'इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन' पर सीमा शुल्क नहीं लगाने पर सहमति व्यक्त की है। इस रोक को समय-समय पर मंत्रिस्तरीय सम्मेलनों में बढ़ाया गया है। डब्ल्यूटीओ का मंत्रिस्तरीय सम्मेलन 166 सदस्यों का सर्वोच्च निर्णय लेने वाला निकाय है। डब्ल्यूटीओ सुधारों पर मंत्री ने कहा कि आवश्यक सुधार एक पारदर्शी, समावेशी और सदस्य-संचालित प्रक्रिया के माध्यम से किए जाने चाहिए। इसमें विकास को केंद्र में रखा जाए और गैर-भेदभाव, आम सहमति आधारित निर्णय लेने और समानता जैसे मूलभूत सिद्धांतों को बनाए रखा जाए। गोयल ने कृषि पर कहा कि खाद्य सुरक्षा उद्देश्यों के लिए सार्वजनिक भंडारण, विशेष सुरक्षा उपाय और कपास पर स्थायी समाधान काफी समय से लंबित मुद्दे हैं और सदस्य देशों को 'प्राथमिकता के आधार पर इन पर निर्णय करना चाहिए।' उन्होंने कहा, ''भारत एक व्यापक मत्स्य पालन सब्सिडी समझौते पर बातचीत करने के लिए प्रतिबद्ध है जो वर्तमान और भविष्य की मछली पकड़ने की जरूरतों को संतुलित करे।

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार पर दबाव, सेंसेक्स और निफ्टी में बड़ी गिरावट

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार में आज अभी तक गिरावट का रुख है। कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई। बाजार खुलने के बाद बिकवाली का दबाव बना। इसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में गिरावट आ गई। हालांकि खरीदारों ने बीच-बीच में लिवाली का जोर बनाने की कोशिश भी की। इसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में उतार-चढ़ाव होता हुआ नजर आया। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 1.41 प्रतिशत और निफ्टी 1.39 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरुआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से टेक महिंद्रा, पावर ग्रिड कॉरपोरेशन, टीसीएस और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर 1.66 प्रतिशत से लेकर 0.27 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, श्रीराम फाइनेंस, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फाइनेंस, ग्रासिम इंडस्ट्रीज और अडानी इंटरप्राइजेज के शेयर 5.80 प्रतिशत से लेकर 3.78 प्रतिशत तक की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 3,010 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 697 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 2,313 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से चार शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 26 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से चार शेयर हरे निशान में और 46 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

बीएसई का सेंसेक्स आज 389.66 अंक की कमजोरी के साथ 74,883.79 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद खरीदारी का सपोर्ट मिलने पर यह सूचकांक मामूली उछाल के साथ 74,904.91 अंक के स्तर पर पहुंचा। इसके बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से इस सूचकांक की कमजोरी लगातार बढ़ती चली गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण सेंसेक्स लगभग 1,100 अंक फिसल कर 74,189.04 अंक तक आ गया। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 1,059.53 अंक टूट कर 74,213.92 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 132.90 अंक फिसल कर 23,173.55 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद खरीदारी का सपोर्ट मिलने से यह सूचकांक मामूली रिकवरी कर 23,186.10 अंक के स्तर तक पहुंचा। इसके बाद बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से निफ्टी की कमजोरी बढ़ती चली गई। हालांकि खरीदार बीच-बीच में लिवाली का जोर बनाने की कोशिश भी करते रहे, लेकिन बिकवाली का दबाव इतना अधिक था कि इस सूचकांक की चाल पर ज्यादा असर नहीं पड़ सका।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी के भाव में मामूली गिरावट

एजेंसी, नई दिल्ली

सिर्फ एक दिन की तेजी के बाद घरेलू सर्राफा बाजार में आज एक बार फिर गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। शुरुआती कारोबार के दौरान सोना आज 1,970 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,140 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में आज 200 रुपये प्रति किलोग्राम की सांकेतिक कमजोरी दर्ज की गई है। कीमत में आई इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,44,540 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,44,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,32,490 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,32,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में मामूली गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,49,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,44,690 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,32,640 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,44,540 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,44,590 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,32,540 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,44,540 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,32,490 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है।

केंद्र ने पेट्रोल-डीजल पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क 10 रुपये प्रति लीटर घटाया

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने पश्चिम एशिया संकट के बीच बीच आम जनता को राहत देते हुए पेट्रोल और डीजल पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क 10 रुपये प्रति लीटर घटा दिया है। सरकार ने पेट्रोल पर इसको 13 रुपये प्रति लीटर से घटाकर अब 3 रुपये प्रति लीटर कर दिया है, जबकि डीज़ल पर इसको 10 रुपये प्रति लीटर से घटाकर शून्य (0) कर दिया है। नई दरें शुक्रवार से लागू हो गई हैं। वित्त मंत्रालय की आज जारी अधिसूचना के अनुसार पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क 13 रुपये प्रति लीटर से घटाकर तीन रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है जबकि डीजल पर यह शुल्क पहले के 10 रुपये से घटाकर शून्य कर दिया गया है। अधिसूचना के अनुसार, सरकार के इस कदम से पेट्रोल-डीजल की कीमतें कम होने की उम्मीद है। इसके अलावा सरकार ने विमानन टरबाइन ईंधन (एटीएफ) के लिए एक नया लेवी ढांचा पेश किया है। इन बदलाव के तहत, एटीएफ पर अब 50 रुपये प्रति लीटर का विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क लगाया गया है, जिसकी आंशिक रूप से छूट के जरिए भरपाई की जाती है, जिससे विशिष्ट प्रावधान के तहत प्रभावी शुल्क लगभग 29.5 रुपये प्रति लीटर हो जाता है।

ई-रिक्शा और लॉजिस्टिक्स ईवी का बड़ा केंद्र बन रहा है उत्तर प्रदेश

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत का इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) सेक्टर अब तेज रफ्तार वाले शुरुआती दौर से निकलकर स्थिर और टिकाऊ विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। आने वाले समय में इस क्षेत्र में वही कंपनियां टिकेंगी, जो मजबूत वित्तीय स्थिति, बेहतर तकनीक और भरोसेमंद सप्लाई चेन के साथ काम करेंगी। इसके अलावा उत्तर प्रदेश तेजी से ई-रिक्शा और लॉजिस्टिक्स ईवी का बड़ा केंद्र बन रहा है। सरकार की योजनाएं, बढ़ती पेट्रोल-डीजल की कीमतें और चार्जिंग सुविधाएं इस बदलाव को गति दे रही हैं। उद्योग से जुड़े आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2025 में देश में करीब 11–12 लाख इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर और 6 लाख से अधिक इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर बिके। उत्तर प्रदेश इस क्षेत्र में अग्रणी राज्यों में शामिल है, जहां ई-रिक्शा और ई-ऑटो की संख्या लगातार बढ़ रही है। इस संबंध में जुपेरिया ऑटो के सीईओ आयुष लोहिया ने ईवी टू-व्हीलर बाजार पर बात करते हुए कहा कि मौजूदा असमानता आने वाले समय में बाजार में एकीकरण को तेज़ करेगी। जिन कंपनियों के पास मजबूत पूंजी और बेहतर सप्लाई चेन है, वे मुश्किल हालात में भी टिक पाएंगी। वहीं, केवल ईवी पर निर्भर कई स्टार्टअप्स को आर्थिक दबाव झेलना पड़ेगा, जिससे अगले 18 से 24 महीनों में विलय या बाजार से बाहर होने की स्थिति बन सकती है। उन्होंने बताया कि बैटरी, मोटर और अन्य जरूरी पुर्जों की आपूर्ति में रुकावट फिलहाल बड़ी चुनौती बनी हुई है। लागत बढ़ने से मुनाफे पर असर, लागत और मुनाफे को लेकर उन्होंने कहा कि इनपुट लागत बढ़ने और सप्लाई में दिक्कत के कारण कई नई कंपनियों को अभी मुनाफा कमाने में समय लगेगा, लेकिन यह दौर उद्योग को मजबूत बनाने के लिए जरूरी है।

मैंने किसी सह-अभिनेत्री से असुरक्षा महसूस नहीं की: रवीना

हाल ही में सोशल मीडिया पर बॉलीवुड अभिनेत्री रवीना टंडन ने एक आर्टिकल साझा करते हुए उन दावों पर प्रतिक्रिया दी, जिनमें फिल्म अंदाज अपना अपना की शूटिंग के दौरान उनके और करिश्मा कपूर के बीच कथित तनाव का जिक्र किया गया था। इस आलेख में फैशन डिजाइनर एशले रेबेलो का हवाला देते हुए दावा किया गया था कि शूटिंग के दौरान करिश्मा यह जानना चाहती थीं कि रवीना फिल्म में क्या पहन रही हैं। इन दावों के बारे में रवीना टंडन ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि उन्होंने अपने करियर में कभी भी किसी सह-अभिनेत्री से असुरक्षा महसूस नहीं की और न ही वह किसी तरह की 'क्लासरूम पॉलिटिक्स' का हिस्सा रही हैं। रवीना ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा कि वह हमेशा अपनी दुनिया में खुश और संतुष्ट रही हैं।

उनके मुताबिक, भगवान ने उन्हें जीवन में बहुत कुछ दिया है और वह हर मौके के लिए आभारी हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें कभी किसी का अनादर करने की जरूरत महसूस नहीं हुई। उनका मानना है कि जो लोग उन्हें करीब से जानते हैं, वे उनके व्यक्तित्व और सच्चाई को भली-भांति समझते हैं। अभिनेत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि इंडस्ट्री में प्रतिस्पर्धा होना स्वाभाविक है, लेकिन इसे असुरक्षा या आपसी राजनीति में बदलना सही नहीं है। उन्होंने 'क्लासरूम पॉलिटिक्स' जैसे व्यवहार से दूरी बनाए रखने की बात कही और संकेत दिया कि वह हमेशा अपने काम और व्यक्तिगत संतुलन पर ध्यान देती रही हैं। पोस्ट के अंत में रवीना ने डिजाइनर एशले रेबेलो के प्रति स्नेह जताते हुए "हमेशा प्यार" लिखा, जिससे यह जाहिर होता है कि उनके बीच किसी प्रकार की व्यक्तिगत कड़वाहट नहीं है। उनका कहना है कि उन्होंने हमेशा अपने काम पर ध्यान केंद्रित किया और किसी भी तरह की नकारात्मकता को अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया। गौरतलब है कि अंदाज अपना अपना की शूटिंग के दौरान रवीना टंडन और करिश्मा कपूर के बीच अनबन की खबरें वर्षों से चर्चा में रही हैं। फिल्म से जुड़े कई लोगों ने समय-समय पर इन घटनाओं का जिक्र किया है, जिससे यह मुद्दा अक्सर सुर्खियों में आता रहा है।

एटली का फिल्म बनाने का तरीका काफी प्रभावशाली

हाल ही में बॉलीवुड अभिनेता विजय सेतुपति ने एटली के निर्देशन की तारीफ करते हुए कहा कि उन्हें फिल्म बनाने का उनका तरीका काफी प्रभावशाली लगता है। उन्होंने बताया कि एटली को अच्छी तरह पता होता है कि किसी सीन या शॉट को किस तरह प्रस्तुत करना है और किस जगह उसे खास बनाना है। सेतुपति के अनुसार, निर्देशक अपने हर सीन को लेकर पूरी तरह आश्वस्त रहते हैं और यही आत्मविश्वास उनके काम को अलग बनाता है। विजय सेतुपति ने कहा कि उन्हें एटली के साथ काम करना इसलिए भी अच्छा लगा क्योंकि वह अपने विजन को लेकर स्पष्ट रहते हैं और कलाकारों को भी उसी दिशा में काम करने के लिए प्रेरित करते हैं। उनके मुताबिक, एटली की यही खासियत उनके साथ काम करने के अनुभव को खास बनाती है। अभिनेता ने यह भी खुलासा किया कि फिल्म करने के पीछे एक और बड़ी वजह शाहरुख खान के साथ काम करने का मौका था। उन्होंने कहा कि शाहरुख खान जैसे बड़े स्टार के साथ स्क्रीन साझा करना उनके लिए एक खास अनुभव था और इसी कारण उन्होंने इस फिल्म के लिए हामी भरी। विजय सेतुपति के अनुसार, शाहरुख खान के साथ काम करना उनके करियर के यादगार अनुभवों में से एक रहा। फिल्म 'जवान' ने रिलीज के बाद दुनियाभर में शानदार कमाई की थी और दर्शकों के बीच काफी लोकप्रिय हुई। फिल्म की कहानी, एक्शन सीक्वेंस और कलाकारों के दमदार अभिनय ने इसे बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता दिलाई थी। बता दें कि साल 2023 में रिलीज हुई यह एक्शन एंटरटेनर फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त हिट साबित हुई थी और उस वर्ष की सबसे सफल फिल्मों में शामिल रही थी। फिल्म में शाहरुख खान मुख्य भूमिका में नजर आए थे, जबकि विजय सेतुपति ने खतरनाक विलेन काली गायकवाड़ का किरदार निभाया था। इस फिल्म में नयनतारा और दीपिका पादुकोण भी अहम भूमिकाओं में दिखाई दी थीं। फिल्म की कहानी, एक्शन और कलाकारों के प्रदर्शन को दर्शकों से भरपूर सराहना मिली थी।

अपने प्रोडक्शन हाउस में आलिया देंगी आउटसाइडर्स को मौका

बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि वह अपने प्रोडक्शन हाउस के जरिए आउटसाइडर्स को मौका देंगी। अभिनेत्री के इस बयान को इंडस्ट्री में नई सोच और बदलाव के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। दरअसल, आलिया भट्ट अपनी नई प्रोडक्शन फिल्म 'डोंट बी शाई' के लॉन्च इवेंट में शामिल हुई थीं, जो अमेजन प्राइम विडियो के एक बड़े कार्यक्रम के दौरान पेश की गई। इस इवेंट में कई अन्य प्रोजेक्ट्स की भी घोषणा की गई, लेकिन सबसे ज्यादा ध्यान आलिया और फिल्ममेकर करण जौहर के बीच हुई बातचीत ने खींचा। इवेंट के दौरान करण जौहर ने मजाकिया अंदाज में आलिया की तारीफ करते हुए कहा कि वह अब एक समझदार और अनुभवी प्रोड्यूसर बन चुकी हैं। उन्होंने कहा कि आलिया के जवाब उनके सवालों से काफी अलग और परिपक्व होते हैं। इस पर आलिया ने भी मुस्कुराते हुए जवाब दिया कि एक्टर्स को लॉन्च करने का एक तरीका होता है। बातचीत को आगे बढ़ाते हुए करण जौहर ने मजाक में कहा कि शायद उन्हें एक्टर्स को लॉन्च करने के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। उन्होंने आलिया को याद दिलाया कि उन्होंने उन्हें फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' के जरिए लॉन्च किया था। इस पर आलिया ने हल्के अंदाज में कहा कि उन्हें हमेशा सिखाया गया है कि हर चीज की एक सही टाइमिंग होती है। इसी दौरान करण जौहर ने अहम सवाल पूछा कि क्या आलिया जिन नए कलाकारों को लॉन्च करने जा रही हैं, वे आउटसाइडर्स होंगे। इस पर आलिया ने बिना झिझक 'हां' में जवाब दिया। उनका यह जवाब सुनकर करण जौहर ने भी उनकी सराहना करते हुए कहा कि उन्हें आलिया पर गर्व है। अगर फिल्म 'डोंट बी शाई' की बात करें तो यह एक 20 साल की लड़की श्यामिली उर्फ 'शाई' दास की कहानी है, जो अपनी जिंदगी के फैसले खुद लेती है। उसे लगता है कि उसने सब कुछ प्लान कर लिया है, लेकिन अचानक उसकी जिंदगी में ऐसे मोड़ आते हैं जो उसे पूरी तरह बदल देते हैं। फिल्म में एक साधारण लड़की के असाधारण सफर को भावनात्मक और प्रेरणादायक अंदाज में दिखाया जाएगा। यह फिल्म आलिया भट्ट के प्रोडक्शन हाउस इटरनल सनशाइन प्रोडक्शन और चॉकबोर्ड एंटरटेनमेंट के सहयोग से बनाई जा रही है।

'सितारे जमीन पर' ओटीटी प्लेटफॉर्म सोनी लिव पर होगी उपलब्ध

बॉलीवुड फिल्म 'सितारे जमीन पर' ने रिलीज होने के बाद दर्शकों का दिल जीत लिया। सुपरस्टार आमिर खान की इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी जबरदस्त कमाई की। फिल्म अब ओटीटी प्लेटफॉर्म सोनी लिव पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध होगी। मेकर्स ने इसकी पूरी तैयारी कर ली है और 3 अप्रैल को फिल्म को डिजिटल रिलीज के लिए तय कर लिया गया है। सोनी लिव ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा करते हुए लिखा, "किसी के लिए अलग, किसी के लिए नॉर्मल, सबका अपना नॉर्मल होता है।

उम्मीद और सुकून की एक दिल छू लेने वाली कहानी। देखिए सितारे जमीन पर 3 अप्रैल से सिर्फ सोनी लिव पर।" यह घोषणा फैंस के लिए रोमांचक है क्योंकि अब वे घर बैठे ही आमिर खान की इस शानदार फिल्म का अनुभव ले सकेंगे। यह फैसला आमिर खान के पिछले साल के बयान से अलग है, जब उन्होंने कहा था कि फिल्म ओटीटी पर उपलब्ध नहीं होगी। उस समय फिल्म को थिएटर के बाद सीधे यूट्यूब रेंटल पर स्ट्रीम करने की योजना बनाई गई थी। 20 जून को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने के बाद, 1 अगस्त से फिल्म यूट्यूब पर रेंट के जरिए देखी जा सकती थी, जहां दर्शक इसे 100 रुपये देकर स्ट्रीम कर सकते थे। फिल्म के निर्देशक आरएस प्रसन्ना ने कहानी को जीवंत बनाया है। फिल्म में आमिर खान और जेनेलिया देशमुख लीड रोल में हैं, जबकि आशीष पेंडसे, आरुष दत्ता, आयुष भंसाली, ऋषि शहानी, गोपीकृष्णन के. वर्मा, ऋषभ जैन, वेदांत शर्मा, सिमरन मंगेशकर, संवित देसाई और नमन मिश्रा जैसे कलाकार फिल्म में अहम भूमिका निभा रहे हैं। यह फिल्म आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी है। 'सितारे जमीन पर' की कहानी एक बास्केटबॉल कोच के इर्द-गिर्द घूमती है। शराब पीकर गाड़ी चलाने के मामले में फंसने के बाद कोर्ट उसे सजा के तौर पर विशेष बच्चों के एक ग्रुप को बास्केटबॉल सिखाने का आदेश देती है। फिल्म ने न सिर्फ दर्शकों का दिल जीता बल्कि क्रिटिक्स से भी काफी सराहना हासिल की। बॉक्स ऑफिस पर इसने 265 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की है, जो इसे साल की सबसे सफल फिल्मों में शुमार करता है। अब 3 अप्रैल से आमिर खान की यह फिल्म सोनी लिव पर स्ट्रीम होगी।

करण जौहर द्वारा होस्ट किए जाने वाले रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स 2' में दर्शकों को देखने को मिलेंगे कई बडे नाम

म बॉलीवुड के मशहूर फिल्म निर्माता करण जौहर द्वारा होस्ट किए जाने वाले रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स' के दूसरे सीजन में भी दर्शकों को कई बड़े नाम देखने को मिलने वाले हैं। जानकारी के अनुसार, इस साल शो का हिस्सा बनने के लिए मल्लिका शेरावत का नाम चर्चा में है। इसके अलावा कई अन्य सितारों के नाम भी सामने आ रहे हैं। कहा जा रहा है कि इस बार शो में रिया चक्रवर्ती, शालिनी पासी, फुकरा इंसान यानी अभिषेक मल्हान, मुनव्वर फारूकी, दिलीप ताहिल और कॉमेडियन आदित्य कुलश्रेष्ठ (कुल्लू) नजर आ सकते हैं। इन कंटेस्टेंट्स की मौजूदगी से शो में अलग-अलग पर्सनैलिटी और गेमप्ले का रोचक मिश्रण देखने को मिलेगा। 'द ट्रेटर्स 2' की शूटिंग इस बार और भी भव्य होने वाली है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक राजस्थान के जैसलमेर स्थित भव्य सूर्यगढ़ पैलेस को शूटिंग लोकेशन के तौर पर चुना गया है। करण जौहर खुद वहां पहुंच चुके हैं और सोशल मीडिया पर लोकेशन की झलकियां साझा कर चुके हैं, जिससे शो की भव्यता का अंदाजा लगाया जा सकता है। करण जौहर ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए हिंट दिया कि वे एक ऐसी जगह पर शूट कर रहे हैं जहां दूर-दूर तक सिनेमा का नामो-निशान नहीं है। इस बीच उन्हें एफओएमओ हो रहा है क्योंकि वे अपनी दूसरी पसंदीदा रियलिटी शो धुरंधर 2 नहीं देख पा रहे हैं। हालांकि, अभी तक शो के कंटेस्टेंट्स के नाम को लेकर कोई ऑफिशियल ऐलान नहीं किया गया है। करण जौहर का इंस्टाग्राम पोस्ट दर्शकों के लिए उत्साह बढ़ाने वाला साबित हुआ है। यह शो टास्क-बेस्ड रियलिटी शो है जिसमें कंटेस्टेंट्स को मिलकर टास्क पूरा करना होता है, लेकिन असली खेल तब शुरू होता है जब उन्हें अपने बीच छुपे गद्दार को चुनना होता है। यह कॉन्सेप्ट अमेरिकी शो 'द ट्रेटर्स' की तरह है और दर्शकों को रोमांचक और रणनीतिक गेमप्ले का अनुभव देता है। फैंस अब बेसब्री से इस दूसरे सीजन का इंतजार कर रहे हैं और उम्मीद जताई जा रही है कि करण जौहर का यह शो पहले सीजन से भी ज्यादा रोमांचक और भव्य साबित होगा। बता दें कि करण जौहर के रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स' का पहला सीजन दर्शकों को खूब पसंद आया था। इस शो में कई सितारे एक ही छत के नीचे अपनी रणनीति और गेमप्ले दिखाते नजर आए थे। पिछले सीजन में अंशुला कपूर, आशीष विद्यार्थी, जन्नत जुबैर, उर्फी जावेद, मुकेश छाबरा, लक्ष्मी मंचू जैसे कलाकारों ने धमाकेदार प्रदर्शन किया था।

विवाद बढने पर करण जौहर ने अपने बयान को लेकर दी सफाई

बीते दिनों बॉलीवुड फिल्ममेकर करण जौहर ने एक इंटरव्यू में कहा था कि वर्तमान समय में एक्टर्स बहुत जल्दी टैलेंट एजेंसी बदल लेते हैं और कभी-कभी यह फैसले उनकी इनसिक्योरिटी की वजह से होते हैं। इस बयान को तुरंत जाह्नवी कपूर से जोड़कर पेश किया गया, जिससे सोशल मीडिया और मीडिया पर काफी चर्चा हुई। विवाद बढ़ने के बाद करण जौहर ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा कर स्पष्ट किया कि उनके बयान को गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। उन्होंने लिखा कि उनके शब्दों को संदर्भ से हटाकर और तोड़-मरोड़कर पेश किया जा रहा है, जिससे गलतफहमियां पैदा हो रही हैं। करण ने मीडिया से अपील की कि सिर्फ आकर्षक हेडलाइंस बनाने के लिए इंटरव्यू के छोटे हिस्सों को अलग-अलग दिखाना उचित नहीं है। करण जौहर ने यह भी बताया कि कलाकार इंटरव्यू और पॉडकास्ट में खुलकर अपनी राय रखते हैं, लेकिन जब उनकी एक लाइन को अलग संदर्भ में पेश किया जाता है, तो वह भ्रामक बन जाती है। इससे न केवल गलत संदेश जाता है, बल्कि लोग खुलकर बात करने में हिचकिचाने लगते हैं। उनका कहना है कि किसी भी बयान को उसके पूरे संदर्भ में पेश करना चाहिए, केवल एक लाइन को अलग दिखाना लोगों के बीच भ्रम और गलतफहमी फैलाता है। करण जौहर के इस पोस्ट के बाद यह स्पष्ट हो गया कि उनका बयान किसी विशेष कलाकार को निशाना बनाने के लिए नहीं था। उन्होंने अपने संदेश में यह भी जोर दिया कि वे एजेंसी छोड़ने वाले कलाकारों के साथ काम करना जारी रखेंगे और उनका उद्देश्य केवल इंडस्ट्री के बदलते ट्रेंड्स और चुनौतियों पर अपने विचार साझा करना था। इस सफाई के साथ करण जौहर ने सोशल मीडिया पर यह संदेश दिया कि इंटरव्यू और बयानों को तोड़-मरोड़कर पेश करने से न केवल कलाकारों की छवि प्रभावित होती है, बल्कि इंडस्ट्री में संवाद और ईमानदार विचार साझा करने का माहौल भी प्रभावित होता है। अब फैंस और मीडिया के लिए यह स्पष्ट हो गया कि करण का बयान व्यक्तिगत नहीं, बल्कि पेशेवर परिप्रेक्ष्य से था। मालूम हो कि हाल ही में एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर ने करण जौहर की टैलेंट एजेंसी धर्मा कॉर्नरस्टोन (डीसीएए) छोड़कर कलेक्टिव आर्टिस्ट्स नेटवर्क जॉइन किया।

अभिनेत्री मानसी पारेख की मेहनत को मिला सम्मान

बॉलीवुड अभिनेत्री मानसी पारेख को हाल ही में एंटरटेनमेंट कैटेगरी में फेमिना गेम चेंजर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। मानसी ने अवॉर्ड प्राप्ति की खुशी जाहिर करते हुए इंस्टाग्राम पर एक खास वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वे अवॉर्ड हाथ में लिए दिखाई दीं। मानसी ने वीडियो के कैप्शन में लिखा, "हम अपनी नई राह खुद बनाते हैं। यही हमेशा मेरा मंत्र रहा है, चाहे जिंदगी हो या करियर। मैंने कभी भी लोगों की उम्मीद के मुताबिक रास्ता नहीं चुना। अपना खुद का रास्ता बनाया, भले ही वह कभी-कभी अनिश्चित लगे, हमेशा फायदेमंद साबित हुआ है।" उन्होंने बताया कि वे एक सामान्य मध्यमवर्गीय परिवार से आती हैं और इंडस्ट्री में बिना किसी कनेक्शन के शुरुआत करना आसान नहीं था। मानसी ने कहा, "बिना किसी मदद के शुरुआत करके आज अपने सपनों को जीना और दूसरों के लिए भी नए मौके बनाना बहुत संतोषजनक है।" अभिनेत्री ने फेमिना इंडिया को विशेष धन्यवाद भी दिया, लिखा, "धन्यवाद फेमिना इंडिया मुझे एंटरटेनमेंट में गेम चेंजर अवॉर्ड देने के लिए। आशा है कि और भी महिलाएं खुद पर भरोसा करें और अपने तरीके से खेल बदलें।" मानसी पारेख टीवी इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्रियों में शुमार हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत एमटीवी के सीरियल 'कितनी मस्त है जिंदगी' से की थी। इसके बाद उन्होंने कई टीवी सीरियलों में काम किया, जिनमें 'जिंदगी का हर रंग गुलाल', 'सुमित संभाल लेगा', 'कसौटी जिंदगी की' और 'सरस्वतीचंद्र' शामिल हैं। टीवी करियर के बाद मानसी ने फिल्मों की ओर रुख किया और तमिल, गुजराती और हिंदी फिल्मों में काम किया। उन्होंने कई गुजराती फिल्मों में अभिनय के साथ-साथ कुछ फिल्मों को प्रोड्यूस भी किया। साल 2024 में उन्हें नेशनल अवॉर्ड विजेता फिल्म 'कच्छ एक्सप्रेस' में अभिनय करने के साथ-साथ प्रोडक्शन का जिम्मा भी संभालना पड़ा, जो उनके करियर का महत्वपूर्ण मुकाम साबित हुआ।

Delhi sees warm day as Met forecasts patchy rain and temperature fall, issues yellow alert for Sundayl

NEW DELHI, Agency: City saw a warm afternoon with a spike in the maximum temperature, while the overcast sky towards late afternoon led to respite by evening, even as the Met expected patchy rain on Thursday and Friday.

No area, however, received rain by late Thursday evening, with Met extending the forecast for light to very light rain and gusty winds for Friday as well. A yellow alert for rain and thunderstorms has been issued for Sunday under the influence of a western disturbance.

On Thursday, the maximum temperature at the base station Safdarjung was recorded at 34.8 degrees Celsius, three notches above normal, against 33.5 degrees Celsius a day earlier. The minimum temperature was recorded at 19.2 degrees Celsius, two notches above normal, against 16.4 degrees Celsius a day earlier.

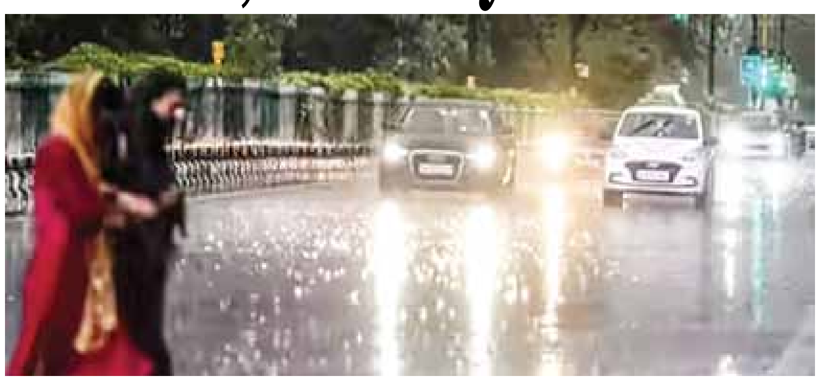

According to India Meteorological Department (IMD), the maximum and minimum temperatures on Friday are likely to hover around 29-31 degrees and 19-21 degrees Celsius, respectively.

IMD expects the temperature to be above normal for another 24 hours and subsequently fall.

"Another western disturbance is likely to affect northwest India from the night of March 28. Rise in maximum temperature by 1-2°C during the next 24 hours, fall by 3-4°C during the subsequent 24 hours, and rise by 2-3°C on March 28 and 29 and fall by 2-3°C thereafter. They will be above normal during the next 24 hours and below normal on March 27, 30 and 31, and normal on the rest of the days over Delhi. A spell of very light rain accompanied by thunderstorm and gusty winds speed 20-30 kmph gusting 40 kmph during morning to forenoon, and another spell of very light rain accompanied by lightning and gusty winds speed 20-30 kmph gusting 40 kmph during afternoon to evening on March 27," stated IMD.

It added that very light to light rain accompanied by thunderstorms and gusty winds 30-40 kmph during morning hours, and another spell of very light to light rain accompanied by thunderstorms/lightning and gusty winds 30-40 kmph during forenoon to afternoon on March 29. Subsequently, on March 30, there is a possibility of very light to light rain.

Meanwhile, the air quality remained moderate. On Thursday, the 24-hour air quality index (AQI) at 4 pm, on a scale of 0 to 500, was 186 against 185 a day earlier - both moderate. As per the forecast, the AQI is likely to stay within the moderate category over the next seven days.

Can make rotis at home and run state as CM

NEW DELHI, Agency: Turning the "roti" jibe back at her critics, Delhi chief minister Rekha Gupta on Thursday lashed out saying that making rotis is not an insult to women - and added that she can run a govt while also efficiently managing household work.

Responding to an opposition leader's sexist remark that she should "go home and make rotis", Gupta said at the Times Now Summit 2026: "Is making rotis a bad thing? Your mother must have made rotis all her life and fed you - that's probably why you have such a long tongue today. Even as chief minister, I can make rotis - and I can also use the rolling pin on a few people. Shifting to governance, Gupta said Delhi had made substantial progress on long-pending civic issues. She claimed the city's three landfill sites at Bhalswa, Okhla and Ghazipur had been "almost reduced to half" over the past year due to ongoing biomining and increased machinery deployment. For years, the garbage mountains have been a major problem for Delhi. But in this one year, the way we have reduced them, the way biomining work is going on day and night, the increase in machinery today, when we look at it, they are almost reduced to half," Gupta said, adding that work at the sites is progressing at a "good speed".

Old walls, New Worlds: Mehrauli reading room pairs books with history

NEW DELHI, Agency: Pushing reading culture in the city, a structure inside Mehrauli Archaeological Park, beyond Metcalfe Boathouse, has recently been repurposed as a reading room. Stocked with books on Indian history, Delhi's heritage, and a wide mix of fiction and non-fiction, the space is designed to keep young people engaged. Complete with board games and comics for children, the room has evolved into a cultural hub - inviting literature, conversations, and quiet reflection to coexist.

Reading outdoors is lovely, but a dedicated reading room is a great initiative'

Regular visitors have welcomed the initiative. Subang Thapa, 22, who works in Gurgaon, says, "I visit the park often, especially on weekends, and this is a great addition. The café beside it has a beautiful view.

With sunlight streaming in, it's the perfect weekend spot." Auralia, who visits the park frequently with her family, echoes the sentiment. "It's peaceful and quiet. My daughter studies amid nature while I work. Reading outdoors while basking in the sun is lovely, but a designated room filled with books is a great initiative." Enveloped by the scent of nature and the sound of chirping birds, away from the city's noise, the area feels secluded and offers picturesque spots for photographers, birders and nature lovers, alike. Curated for all age groups From authors such as William Dalrymple, Chetan Bhagat, Sidney Sheldon, and Zahir Dehlvi to subjects ranging from Indian art, architecture and archaeology to physics, Akbar-Birbal and Tenali Raman, the collection offers contrast and variety. Activity books and comics for children are also themed around Delhi's heritage sites, making the space accessible across age groups. Many monuments are neglected because the public sees them as the state's responsibility, rather than something they have a stake in. These structures were once lived spaces, built as memory sites for the people who inhabited them. When you bring them back into use, you reconnect those threads and remind people that history is lived, not just built Amit Pasricha, a photographer 'Aisi jagah baith ke book padhne mein purane zamane ki vibe aati hai' Visiting the reading room for the first time, Dipanshu Narwal, 25, says, "Aisi jagah baith ke book padhne mein purane zamane ki vibe aati hai. Mujhe historical places mein ek apnapan sa lagta hai. As a reader, just seeing books in a historical park feels great." He picked up one of the many titles on Delhi's history.

Not Mumbai's rival, but its own story: Delhi makes a creative pitch at global film fest

NEW DELHI, Agency: Delhi's first International Film Festival (IFFD) opened with a quiet but deliberate assertion-Delhi will chart its own path on the global cinema map rather than compete with established film hubs like Mumbai. That distinction, filmmaker and IFFD director Rakeysh Om Prakash Mehra stressed, is precisely the point.

As thousands of cinephiles streamed into venues across the city, Mehra said Delhi would script its own cinematic identity-one shaped by its layers of history, politics and lived memory-rather than compete with India's established film hub.

The inaugural edition of the IFFD 2026, a week-long event that runs till March 31, was inaugurated by chief minister Rekha Gupta on Wednesday, who described the city as a rising "creative capital" with a distinctive storytelling energy.

Speaking to Media, Mehra, known for 'Rang De Basanti', said: "Delhi has one of the oldest living histories, and that reflects in its stories." The festival prioritises participation and diversity over competition, with entries from India and abroad, he added.

Mehra said the aim is not to rival other film destinations but to build a platform rooted in Delhi's legacy. Calling the festival a beginning, he said IFFD will "100 per cent" be held annually and will grow gradually, much like major global festivals that took decades to evolve. IFFD, he said, may take about seven

years to become an important stop on the cinema circuit.

He added that organising the first edition came with no major challenges, crediting Delhi govt and coordinated work across departments for smooth execution. The festival, he said, is a long-standing idea that finally found institutional backing.

Mehra also argued that the continued labelling of films as "women-centric" misses the point in 2026, noting that women-led narratives already feature strongly across contemporary cinema.

A key highlight is a panel titled "Women in Cinema: Voice, Power, and the Future of Storytelling", featuring leading women filmmakers and creative professionals. The discussion will examine the evolving roles of women on and behind the screen, and explore how to build a more inclusive film ecosystem. IFFD, earlier this month, had partnered with Women in Film India, led by Academy Award-winning producer Guneet Monga. As part of this initiative, a programme titled "Her Lens" has been launched to bring women storytellers and women-centric narratives to the global stage.

Is Delhi moving away from buses? numbers suggest so

NEW DELHI, Agency: Ridership on buses operated by Delhi Transport Corporation (DTC) and the cluster scheme, which are among the cheapest modes of commute in the city, has declined sharply since 2019-20, though the overall fleet has expanded, according to data from Economic Survey 2025-26. In 2019-20, DTC and cluster buses together carried over 51 lakh passengers daily. By 202425, this fell to about 40.8 lakh, a decline of nearly 20%. The drop is evident across both systems. DTC's daily ridership went down from 33.4 lakh to 25.6 lakh, marking a fall of over 23%. Similarly, cluster buses saw their ridership decline from 17.71 lakh to 15.3 lakh, a drop of about 14%.

In contrast, their combined

fleet size marginally increased from 6,672 to 6,966 buses over the same period. While the number of DTC buses rose from 3,762 in 2019-20 to 3,819 in 2024-25, cluster buses registered a sharper rise - from 2,910 to 3,147.

Transport experts point out that the trend is counterintuitive, considering Delhi's growth in population and govt policy interventions aimed at boosting ridership. Delhi govt also introduced free bus travel for women from 2019, a move expected to significantly increase the ridership.

LPG hoarding and refilling racket busted in Ranhola, 459 empty cylinders seized

NEW DELHI, Agency: Delhi Police crime branch has busted an illegal LPG hoarding and refilling racket in Ranhola, seizing 459 empty cylinders, including 284 Indane and 175 Bharat Gas units, police said on Thursday.

Acting on intelligence, a police team carried out coordinated raids at multiple locations in the area, uncovering the unauthorised storage and misuse of LPG cylinders. The operation was conducted amid concerns over a perceived shortage of cooking gas, even as authorities have maintained that supply remains adequate.

Police said the raid was carried out at an LPG agency on Nilothi Road, where the owner, Susheel Kumar Singhal, was allegedly found actively engaged in hoarding cylinders.

According to investigators, Singhal, who runs HP Balaji Gas Agency, exploited his position to accumulate a large stock of commercial LPG cylinders without authorisation. "The accused deliberately withheld cylinders from the regular distribution system to create artificial scarcity and sell them in the open market at inflated prices," DCP (crime) Harsh Indora said, adding that the stock was kept under the guise of routine business inventory to avoid detection. A food supply officer was called to the spot to initiate action as per procedure, and the seized cylinders were later handed over to a representative of Hindustan Petroleum Corporation Limited on superdari Follow ing the raid, a case has been registered under provisions of Essential Commodities Act and Section 61(2)(criminal conspiracy) of Bharatiya Nyaya Sanhita at the Crime Branch police station.

LG pushes for global standards in nursing education

NEW DELHI, Agency: Lieutenant governor Taranjit Singh Sandhu has called for aligning nursing and healthcare education at Hindu Rao Hospital and other such institutions with international standards to tap into the growing global demand for healthcare providers, especially in ageing economies.

Sources said the LG has offered to help establish international linkages and access to global best practices so that nursing students can acquire skills that match global standards. "By aligning our nursing training with global standards and best practices, we can equip our health professionals with international expertise, enable them to gain work experience abroad based on global needs, and bring back advanced healthcare skills to India," the LG said in a post on X after visiting the MCD-run Hindu Rao Hospital and Medical College on Wednesday. The hospital has a nursing college.

The LG suggested that with foreign partners' funding, training could be organised with the assurance from Indian institutions to provide the trained workforce to the partners abroad. Sandhu is a retired diplomat and served as India's ambassador in Washington, besides holding several key diplomatic posi-

tions in different countries.

During his hospital visit, he emphasised the need to upgrade the nursing curriculum to meet the requirements of an international clientele and suggested that nursing colleges in Delhi and across India explore tie-ups with foreign institutions and train some of their students. He has asked for the nursing curriculum at Hindu Rao's nursing college to be aligned with the requirements and standards of a global clientele.

The LG underlined that while many advanced countries were increasingly ageing, India had an advantage of a large youth population, which should be suitably skilled and trained to make them employable. This demand has created a supply gap in some countries, leading to an opportunity for countries that have trained youths.

"A tie-up with colleges and institutions abroad would result in our nursing and paramedical students getting trained in languages, skills and practices as per the requirements abroad and generate huge employment. These youths could serve abroad for a fixed tenure and come back, experienced, to get employed here," said the source.